NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 13 अंकः 156 लखनऊ, गुरुवार 18 जनवरी 2024 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

राम मंदिर परिसर में रामलला की प्रतिकात्मक मूर्ति का कराया गया भ्रमण

संवाददाता।

लखनऊ/अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंत में मोदी का भाषण देने का कार्यक्रम है, जिसमें 8,000 मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है। लेकिन इनमें से कुछ ही लोगों को मंदिर के गर्भगृह के अंदर जाने की अनुमति होगी। अयोध्या में इन अनुष्ठानों का संचालन 121 आचार्य कर रहे हैं और गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ अनुष्ठान की सभी कार्यवाही की देखरेख, समन्वय एवं निर्देशन कर रहे हैं। रामलला की चांदी की मूर्ति को आज शाम श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर का भ्रमण कराया गया। हालाँकि, यह वह मूर्ति नहीं है जिसे 22 जनवरी को मंदिर के गर्भगृह में रखा जाएगा। गुलाब और गेंदे की मालाओं से सजी मूर्ति को फूलों से सजी पालकी के अंदर रखा गया था। पुजारियों ने इसे मंदिर परिसर के चारों ओर घुमाया गया। एक पुजारी अपने सिर पर ष्कलशष लेकर पालकी के आगे चल रहा था। अयोध्या में एक सप्ताह तक चलने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आज दूसरा दिन है। अनुष्ठान कल से शुरू हुआ और 22 जनवरी तक जारी रहेगा। 22 जनवरी के आयोजन से पहले किए जा रहे अनुष्ठानों के हिस्से के रूप में आज ष्कलश पूजनष आयोजित किया गया। यह श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा, उनकी पत्नी और अन्य लोगों द्वारा सरयू नदी के तट पर किया गया था। नदी से

पानी से भरे बर्तनों को मंदिर परिसर में ले जाया गया जहां प्राण–प्रतिष्ठा पूर्व अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। ष्प्राण–प्रतिष्ठाष समारोह 22 जनवरी को दोपहर 12रू20 बजे शुरू होगा और दोपहर 1 बजे तक समाप्त होने की उम्मीद है।

मंगलवार को मंदिर में भगवान विष्णु की पूजा के बाद पंचगव्य (दूध, मूत्र, गोबर, घी और दही) से पंचगव्यप्राशन किया गया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंत में मोदी का भाषण देने का कार्यक्रम है, जिसमें 8,000 मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है।

रामलला के दर्शन को हो जाएं तैयार! अयोध्या के लिए शुरू होंगी आस्था स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी।

नई दिल्ली रेलवे की ओर से जारी एक सर्कुलर में कहा गया है कि इन ट्रेनों में टिकट राउंड ट्रिप के लिए बुक किए जाएंगे। खबर यह भी है कि रेलवे ने 1000 नॉन एसी ट्रेनों का संचालित करने का निर्णय लिया है। सबसे पहले 500 ट्रेने चलाई जाएंगी। इसके बाद इसे बढ़ाकर 1000 किया जाएगा। भारतीय रेलवे राम मंदिर के उद्घाटन के बाद तीर्थयात्रियों को अयोध्या लाने के लिए देश भर में 66 स्थानों से ष्आस्था स्पेशलष के रूप में विशेष ट्रेनें शुरू करेगा। इन ट्रेनों का संचालन 22 जनवरी को अभिषेक समारोह के साथ शुरू होगा। सूत्रों ने कहा कि 22 कोचों वाली 66 रेक (ट्रेनें) को देश के विभिन्न हिस्सों से सेवा में लगाया जाएगा और बाद में मांग के आधार पर और रेक जोड़ी जाएंगी।

रेलवे की ओर से जारी एक सर्कुलर में कहा गया है कि इन ट्रेनों में टिकट राउंड ट्रिप के लिए बुक किए जाएंगे। खबर यह भी है कि रेलवे ने 1000 नॉन एसी ट्रेनों का संचालित करने का निर्णय लिया है। सबसे पहले 500 ट्रेने चलाई जाएंगी। इसके बाद इसे बढ़ाकर 1000 किया जाएगा। रेलवे ने सुरक्षा कारणों से अपने यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में ट्रेन का विवरण नहीं भरने का फैसला किया है, हालांकि बुकिंग आईआरसीटीसी द्वारा की जाएगी। ये ट्रेनें दिल्ली के चार स्टेशनों– नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, निजामुद्दीन और आनंद विहार से शुरू की जाएंगी। अन्य शहरों में अगरतला, तिनसुकिया, बाड़मेर, कटरा, जम्मू, नासिक, देहरादून, भद्रक, खुर्दा रोड, कोटायम, सिकंदराबाद, हैदराबाद और काजीपेट शामिल हैं। तमिलनाडु में चेन्नई, सेलम और मदुरै सहित नौ स्टेशन होंगे, जहां से अयोध्या यात्रा के लिए आस्था स्पेशल उपलब्ध होंगी। महाराष्ट्र में इन्हें नागपुर, पुणे, मुंबई, वर्धा, जालना और नासिक सहित सात स्टेशनों से संचालित किया जाएगा। विशेष रूप से, इन ट्रेनों के टिकट केवल भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के माध्यम से बुक किए जा सकते हैं। इन ट्रेनों को भारतीय रेलवे के यात्री आरक्षण प्रणाली के माध्यम से बुक नहीं किया जा सकता है। इसमें आरक्षण, सुपरफास्ट, खानपान, सेवा और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े शुल्क होंगे। आईआरसीटीसी यात्रा के दौरान खानपान के लिए शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराएगा। प्रत्येक राज्य से योजनाबद्ध तुलनीय मार्गों के अंत में ट्रेनें अयोध्या पहुंचेंगी।

शंकराचार्य विवाद पर बोले श्री श्री रविशंकर, भगवान राम ने खुद बिना मंदिर के एक शिवलिंग की स्थापना की थी

एजेंसी।

नई दिल्ली शंकराचार्य ने कहा था कि वह 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे क्योंकि भगवान राम की मूर्ति एक निर्माणाधीन मंदिर में स्थापित की जाएगी। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने बुधवार को ज्योतिषमठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की राम मंदिर आयोजन की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान राम ने खुद बिना मंदिर के एक

शिवलिंग की स्थापना की थी। शंकराचार्य ने कहा था कि वह 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे क्योंकि भगवान राम की मूर्ति एक निर्माणाधीन मंदिर में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे अन्य प्रावधान हैं जहां आप प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर का निर्माण जारी रख सकते हैं। तमिलनाडु के रामेश्वरम में स्वयं भगवान राम ने एक शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की थी। उस समय वहां कोई मंदिर नहीं था. उनके पास मंदिर बनाने का समय नहीं था. उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा की और बाद में मंदिर बनाया गया। शंकराचार्य की टिप्पणी से नया विवाद खड़ा हो गया और विपक्ष ने सरकार से सवाल किया कि वह जल्दबाजी में मंदिर का उद्घाटन क्यों कर रही है। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक ने कहा कि मदुरै और तिरूपति बालाजी मंदिर छोटे हैं। इनका निर्माण बाद में राजाओं द्वारा कराया गया। उन्होंने कहा कि 500 घ्साल पहले जो गलत हुआ उसे सुधारा जा रहा है यह एक सपना सच होने जैसा है। पांच सदियों से लोग इसका इंतजार कर रहे हैं. यह उस गलती को सुधार रहा है जो 500 साल पहले हुई थी। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक ने कहा, इसलिए पूरे देश में जश्न और भारी उत्साह का माहौल है। इस बीच, राकांपा (शरद पवार गुट) के विधायक जितेंद्र अवहाद ने कहा कि सरकार अधूरे मंदिर में समारोह आयोजित कर रही है।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का मैनिफेस्टो लोगों का घोषणापत्र होगा, चिदंबरम बोले- देश भर में बड़े पैमाने पर सुझाव मांगे जाएंगे

एजेंसी। नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, चिदंबरम ने कहा कि सुझाव एकत्र करने का मुख्य माध्यम सार्वजनिक परामर्श होगा, जो हर राज्य में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस का 2024 का लोकसभा चुनाव घोषणापत्र श्लोगों का घोषणापत्रश होगा, जिसके लिए देश भर में बड़े पैमाने पर सुझाव मांगे जाएंगे, क्योंकि पार्टी ने लोगों से अपने चुनाव घोषणापत्र के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, चिदंबरम ने कहा कि सुझाव एकत्र करने का मुख्य माध्यम सार्वजनिक परामर्श होगा, जो हर राज्य में आयोजित किया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, कांग्रेस ने एक वेबसाइट॰ूींतंजाप.पद और एक ईमेल पता –॰ूींतंजाप/पदब – लॉन्च की है, जहां लोग अपने सुझाव भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में जितना संभव हो उतने लोगों को शामिल करने का वादा किया है। वेबसाइट आगंतुकों को विषयवार अपने सुझाव प्रस्तुत करने की अनुमति देगी। कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष चिदंबरम ने कहा कि हम भारत के लोगों को ईमेल द्वारा अपने सुझाव भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं। वेबसाइट आपको विषयवार अपने सुझाव भेजने का विकल्प देती है। हम ईमानदारी से भारत के लोगों से अपील करते हैं कि वे इन वाहनों का उपयोग करें और इसे लोगों का घोषणापत्र बनाने में हमारी मदद करें। समिति में 15 अन्य सदस्य शामिल हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, जयराम रमेश और शशि थरूर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, प्रियंका गांधी वाड्रा और संयोजक टीएस देव शामिल हैं।

इंडिया' गठबंधन में शामिल होने का न्योता मिलने पर ही वीबीए भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होगी अंबेडकर

एजेंसी।

नई दिल्ली शिवसेना(यूबीटी) और शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने कहा कि महाराष्ट्र के विपक्षी दल आगामी लोकसभा चुनाव वीबीए और वामदलों को साथ लेकर 'इंडिया'गठबंधन के तहत लड़ना चाहते हैं ताकि वोटों के बंटवारे को रोका जा सके। संविधान निर्माता भीमराव आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर कांग्रेस के वीबीए को विपक्षी गठबंधन में शामिल करने के मुद्दे पर पैर पीछे खींचने को लेकर नाराजगी जता चुके हैं। राहुल गांधी नीत यात्रा 15 राज्यों के 100 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। यह 6,713 किमी की दूरी तय करेगी जिसका ज्यादातर हिस्सा बसों से तय किया जाएगा और साथ ही कुछ हिस्सा पैदल तय किया जाएगा। यह यात्रा 20 या 21 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा कि वह तभी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में शामिल होंगे जब वीबीए को 'इंडिया' गठबंधन और महा विकास आघाडी (एमवीए) में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। आंबेडकर ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। इससे पहले आंबेडकर को मणिपुर से रविवार को शुरू हुई यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को कई बार पत्र लिखे जाने के बावजूद वीबीए को 'इंडिया' आंबेडकर ने पत्र में लिखा, '' मैं आपकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आमंत्रण सशर्त स्वीकार करता हूं। 'इंडिया' और एमवीए दोनों में शामिल होने के लंबे समय से प्रतीक्षित आमंत्रण के बिना आपकी यात्रा में शामिल होना मेरे लिए मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन और एमवीए में शामिल होने के निमंत्रण के बिना 'भारत जोड़ो

न्याय यात्रा' में हिस्सा लेने से गठबंधन की अटकलों को बढ़ावा मिलेगा जबकि इसपर ठोस पहल नहीं की गई है एवं इसके नकारात्मक प्रभाव होंगे। आंबेडकर ने कहा, ''इसलिए हम वीबीए को 'इंडिया' और साथ ही एमवीए में शामिल होने के लिए न्योता देने पर जोर दे रहे हैं।'' शिवसेना(यूबीटी) और शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने कहा कि महाराष्ट्र के विपक्षी दल आगामी लोकसभा चुनाव वीबीए और वामदलों को साथ लेकर 'इंडिया'गठबंधन के तहत लड़ना चाहते हैं ताकि वोटों के बंटवारे को रोका जा सके। संविधान निर्माता भीमराव आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर कांग्रेस के वीबीए को विपक्षी गठबंधन में शामिल करने के मुद्दे पर पैर पीछे खींचने को लेकर नाराजगी जता चुके हैं। राहुल गांधी नीत यात्रा 15 राज्यों के 100 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। यह 6,713 किमी की दूरी तय करेगी जिसका ज्यादातर हिस्सा बसों से तय किया जाएगा और साथ ही कुछ हिस्सा पैदल तय किया जाएगा। यह यात्रा 20 या 21 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी।

पूरा नंदीग्राम 'राम ज्योति' से जगमगा उठे, राम मंदिर उद्घाटन से पहले बीजेपी ने बंगाल में बांटे 1 लाख दीये

एजेंसी।

नई दिल्ली अधिकारी ने कहा कि हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि ऐतिहासिक अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए 22 जनवरी को पूरा नंदीग्राम 'राम ज्योति' से जगमगा उठे। सभी मिट्टी के दीये स्थानीय कुम्हारों से लिए जाते हैं क्योंकि हम श्वोकल फॉर लोकलश मंत्र का समर्थन करते हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन से पहले भाजपा की बंगाल इकाई ने घर–घर पहुंच अभियान के तहत पूर्वी मिदनापुर जिले के नंदीग्राम में 1 लाख दीये या मिट्टी के दीपक वितरित किए। जैसे ही राम मंदिर की भव्य

प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान चल रहे हैं, बंगाल के विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम के 20,000 परिवारों को 1 लाख दीये वितरित किए। उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाना है। एक्स पर अधिकारी ने कहा कि हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि ऐतिहासिक अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए 22 जनवरी को पूरा नंदीग्राम 'राम ज्योति' से जगमगा उठे। सभी मिट्टी के दीये स्थानीय कुम्हारों से लिए जाते हैं क्योंकि हम श्वोकल फॉर लोकलश मंत्र का समर्थन करते हैं। मिट्टी के दीपक वितरण समारोह अधिकारी के गृह मैदान और निर्वाचन क्षेत्र नंदीग्राम में हुआ। अधिकारी ने नंदीग्राम के गोकुलनगर, समसाबाद और बटाला सहित क्षेत्रों में मिट्टी के दीपक भी वितरित किए। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री /नरेंद्र मोदी जी ने राम लला की मूर्ति और राम की प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर देशवासियों से कहा कि वे दीये जलाएं और अपने घरों को श्राम ज्योतिश से रोशन करें और राम लला की घर वापसी के लिए दिवाली मनाएं। उन्होंने कहा कि हमारे पीएम ने दो चीजें मांगी हैं, मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सभी मंदिरों को साफ करना और श्राम जन्मभूमिश के द्वार खुलने पर कम से कम 5 दीये जलाना। कहा जाता है कि भाजपा के अभियान के एक हिस्से के रूप में अधिकारी और पार्टी कार्यकर्ताओं ने नंदीग्राम में 100 से अधिक मंदिरों की सफाई की है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को श्प्राण प्रतिष्ठाश की पूर्व संध्या के दौरान, उनके निर्वाचन क्षेत्र के सभी मंदिरों में यज्ञ और प्रसाद के प्रदर्शन की उम्मीद है। नंदीग्राम भाजपा इकाई श्प्राण प्रतिष्ठाश (अभिषेक समारोह) की लाइव–स्क्रीनिंग के लिए विशाल स्क्रीन भी लगा रही है।

एक ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत, दूसरी ओर अखिलेश ने न्याय यात्रा से बना ली दूरी

लखनऊ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इंडिया गठबंधन के हिस्सा हैं। दोनों ही दलों के बीच मुख्यतः उत्तर प्रदेश को लेकर सीट बंटवारे में समझौता होने की उम्मीद है। हालांकि, उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारा एक टेढ़ी खीर मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं की बैठक हुई है। कांग्रेस की राष्ट्रीय गठबंधन समिति ने दिल्ली में समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ बातचीत की है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने बैठक के बाद कहा कि हमने एक–दूसरे के साथ हर सीट की जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश पहुंचने से पहले गठबंधन हो जाएगा। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि हमने आधा रास्ता तय कर लिया है और बाकी आधा रास्ता भी जल्द ही तय कर लिया जाएगा। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इंडिया गठबंधन के हिस्सा हैं। दोनों ही दलों के बीच मुख्यतः उत्तर प्रदेश को लेकर सीट बंटवारे में समझौता होने की उम्मीद है। हालांकि, उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारा एक टेढ़ी खीर मानी जा रही है। इसका बड़ा कारण यह है कि समाजवादी हर हाल में 65 से ज्यादा सीटों पर अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं, कांग्रेस 25 से कम सीटों पर तैयार नहीं है। इसके अलावा कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम को भी फाइनल करने की शुरुआत कर दी है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि आखिर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारा कैसे हो पता है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि पश्चिम में उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल की अपनी अलग पकड़ है। राष्ट्रीय लोक दल भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस को ढटका देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में उनके शामिल होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, ''न तो कांग्रेस हमें अपने कार्यक्रमों में बुलाती है, न ही भाजपा।'' यादव ने पार्टी कार्यालय से ''संविधान बचाओ, देश बचाओ समाजवादी पीडीए (पिछड़ा, दलित,

अल्पसंख्यक) यात्रा'' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा डॉ. भीम राव आंबेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया और नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के विचारों को गांव–गांव तक पहुंचाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने पुराने समाजवादियों के सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया है और यह यात्रा राज्य के कई जिलों से गुजरेगी।

केजरीवाल को अब तक नहीं मिला निमंत्रण, दिल्ली सीएम बोले- पूरे परिवार के साथ जाना चाहता हूं अयोध्या

एजेंसी। दिल्ली केजरीवाल ने कहा कि मैं अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या जाना चाहता हूं, मेरे माता–पिता अयोध्या जाने के लिए बहुत उत्सुक हैं। लेकिन निमंत्रण कोई भी हो, मैं अयोध्या जाऊंगा। मैं 22 जनवरी के बाद शहर का दौरा करूंगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अभिषेक (प्राण प्रतिष्ठा) समारोह में शामिल होने की अपनी योजना पर चुप्पी तोड़ी है और कहा है कि उन्हें अभी तक कोई आधिकारिक निमंत्रण नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मुझे 22 तारीख को अपना शेड्यूल फ्री रखने के लिए कहा गया था, लेकिन उसके बाद कोई निमंत्रण नहीं भेजा गया। उस पत्र में लिखा था कि सुरक्षा और वीआईपी मूवमेंट की दृष्टि से केवल एक व्यक्ति को आना है। केजरीवाल ने कहा कि मैं अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या जाना चाहता हूं, मेरे माता–पिता अयोध्या जाने के लिए बहुत उत्सुक हैं। लेकिन निमंत्रण कोई भी हो, मैं अयोध्या जाऊंगा। मैं 22 जनवरी के बाद शहर का दौरा करूंगा। इससे पहले आज, वरिष्ठ आप नेता सौरभ भारद्वाज ने संकेत दिया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के अपनी पसंद के समय पर धार्मिक स्थल का दौरा करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पहले भी वहां जा चुके हैं। कनेक्शन भगवान राम से है। भगवान राम 23, 24 को भी वहां रहेंगे.. और अगर आपकी भक्ति है, तो आप यहीं इस कार्यालय में प्रार्थना कर सकते हैं। भारद्वाज ने कहा कि विपक्षी दल के अधिकांश नेताओं ने कहा कि वे जाएंगे। और मुझे लगता है कि ऐसे विवाद नहीं होने चाहिए कि हर किसी को पीएम मोदी के साथ मंदिर जाना पड़े, पीएम मोदी के साथ बैठना पड़े। विशेष रूप से, केजरीवाल 18 जनवरी से गोवा की तीन दिवसीय यात्रा पर होंगे। जबकि ।।च ने आधिकारिक तौर पर राम मंदिर कार्यक्रम में भाग लेने पर अपने रुख की घोषणा नहीं की है

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश ने नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में नई ऊंचाई प्राप्त की– मुख्यमंत्री

संवाददाता।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या से कोलकाता तथा बेंगलुरु के बीच एयर इण्डिया एक्सप्रेस की सीधी हवाई सेवा का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ किया चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स के साथ उ0प्र0 देश की एयर कनेक्टिविटी की दृष्टि से एक अहम राज्य लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा व नेतृत्व में प्रदेश ने नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में नई ऊंचाई प्राप्त की है। प्रदेश में विगत साढ़े 09 वर्षों में न केवल नए एयरपोर्ट्स बने हैं, बल्कि चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स के साथ उत्तर प्रदेश देश की एयर कनेक्टिविटी की दृष्टि से एक अहम राज्य हो गया है। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर अयोध्या से कोलकाता तथा बेंगलुरु के बीच एयर इण्डिया एक्सप्रेस की सीधी हवाई सेवा के वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इसके पश्चात उन्होंने हरी झण्डी दिखाकर वायु सेवा का शुभारम्भ किया। उन्होंने अयोध्या से कोलकाता तथा बेंगलुरु के बीच हवाई सेवा के शुभारम्भ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 30 दिसंबर, 2023 को अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया था। इस एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद से एयर कनेक्टिविटी के उपरान्त, आज कोलकाता और बेंगलुरु के लिए एयर इण्डिया एक्सप्रेस की वायु सेवा प्रारम्भ होने जा रही है। यह वायु सेवा अयोध्या और कोलकाता के दिलों को जोड़ने तथा हनुमान जी के संदेश को कर्नाटक से अयोध्या धाम तक पहुंचाने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्र ने कहा कि अयोध्या नगरी भारत की सनातन आस्था का प्रतीक है। प्रभु श्रीराम पुरुषार्थ चतुष्ट्य– धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष के प्रतीक हैं। प्रभु श्री रामलला 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के उपरान्त 22 जनवरी, 2024 को अपनी जन्मभूमि पर मूर्त रूप में स्वयं के भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। सम्पूर्ण देश

के श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था को अयोध्या के प्रति व्यक्त किया है। इन सभी के मन में अयोध्या आगमन के प्रति उत्सुकता और आतुरता है। आज से 5–6 वर्ष पूर्व अयोध्या में फोरलेन सड़क कनेक्टिविटी, डबल रेलवे लाइन कनेक्टिविटी, इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्माण तथा पवित्र सरयू नदी में क्रूज सेवा प्रारम्भ होना मात्र कल्पना थी। आज यह सभी कार्य वास्तविकता के धरातल पर उतर चुके हैं। यह सभी सुविधाएं अयोध्यावासियों को उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में जिन कार्यों को करने में सफलता प्राप्त हुई है तथा जो कुछ भी आज अयोध्या में प्राप्त हो रहा है, इसके पीछे प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन व नेतृत्व, डबल इंजन सरकार द्वारा त्वरित गति से निर्धारित समयावधि में निर्णय लेने का सामर्थ्य तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रियता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी समय में अयोध्या टूरिस्ट डेस्टिनेशन के लिए देश का सबसे प्रमुख शहर होने जा रहा है। अयोध्या में स्थानीय श्रद्धालुओं की बहुत बड़ी संख्या है। देश के उत्तर, दक्षिण, पूर्व तथा पश्चिम सहित प्रत्येक कोने में बसे श्रद्धालुओं में अयोध्या आगमन के लिए आतुरता है। इनका अयोध्या आवागमन सरल हो सके यह लोकप्रिय सरकार का दायित्व बनता है। इस दायित्व का निर्वहन करते हुए केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय जिस तेजी के साथ अयोध्या की एयर कनेक्टिविटी को आगे बढाध्ने का कार्य कर रहा है, वह अत्यंत अभिनंदनीय तथा सराहनीय है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अयोध्या में प्रदेश सरकार 821 एकड़ भूमि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को उपलब्ध करा चुकी है। अभी 500 यात्री एक साथ इस विमान तल का उपयोग कर सकते हैं। पार्किंग की सुविधा के साथ यहां आठ विमान एक साथ लैंड कर सकते हैं। भविष्य की सम्भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नागर विमानन मंत्रालय द्वारा बनाई गई कार्य योजना के अनुसार प्रदेश सरकार प्रत्येक कार्य में सकारात्मक सहयोग प्रदान करेगी।केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य एम0 सिंधिया ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश प्रत्येक क्षण विकास और प्रगति के नए आयाम प्राप्त कर रहा है। उत्तर प्रदेश देश की विकास और प्रगति को सुनिश्चित करने वाला प्रदेश है। जिस सुंदर अयोध्या नगरी का सपना प्रधानमंत्री ने देखा था उसका क्रियान्वयन मुख्यमंत्री ने किया है। मुख्यमंत्री जी ने 'जहां है राम का नाम, वहां होते हैं पूरे सारे काम' की विचारधारा के साथ चौड़ी चौड़ी सड़कें, सुंदर साइन बोर्ड, लता मंगेशकर चौराहा के साथ–साथ सम्पूर्ण अयोध्या का कायाकल्प करने का कार्य किया है। 22 जनवरी, 2024 की तिथि देश और विश्व के सनातन धर्मावलम्बियों तथा श्रीराम भक्तों के लिए दीपावली पर्व के समान है। यह हम सभी के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिवस होगा। 22 जनवरी, 2024 की तिथि के लिए आतुर होकर आज सम्पूर्ण देश और विश्व प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की पल–पल और पग पग दिनचर्या का अनुसरण कर रहा है। नागर विमानन मंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं तथा मुख्यमंत्री जी ने डेढ़ महीने पहले अयोध्या में सम्पूर्ण विमानतल का सर्वेक्षण किया था। इसका उद्घाटन 30 दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री जी के कर कमलों द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री जी के विशेष आग्रह पर देश के विभिन्न राज्यों की कला व संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए इस विमानतल को श्री रामजन्मभूमि मंदिर का आकार प्रदान किया गया। विमानतल का नामकरण भगवान श्रीराम के जीवन विवरण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया गया।केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ने कहा कि पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे उत्तर प्रदेश में या तो स्थापित हो चुके हैं या होने जा रहे हैं। इनमें से अयोध्या धाम एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। पहले फेज में साढ़े 06 हजार स्क्वायर मीटर की टर्मिनल बिल्डिंग मंदिर के आकार में बन चुकी है। अगले फेज में संयुक्त प्रयास के रूप में 05 लाख स्क्वायर फीट के विमानतल की शुरुआत आने वाले दिनों में की जाएगी। यह अतिश्योक्ति नहीं है कि अयोध्या में भविष्य में पूरे देश का सबसे प्रमुख विमानतल होगा।इस अवसर पर चीफ कामर्शियल ऑफिसर एयर इंडिया एक्सप्रेस डॉ0 अंकुर गर्ग ने जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि एक उड़ान प्रातः अयोध्या से कोलकाता तथा दोपहर में एक उड़ान अयोध्या से बेंगलुरु के लिए संचालित होगी। कोलकाता एयरपोर्ट के माध्यम से बड़ोदरा तथा भुवनेश्वर के नागरिक भी अयोध्या आ सकेंगे, वहीं बेंगलुरु एयरपोर्ट के माध्यम से सुदूर दक्षिण भारत के यात्री अयोध्या आ सकेंगे। 30 दिसम्बर, 2023 को प्रधानमंत्री द्वारा शुभारम्भ की गई अयोध्या से दिल्ली हवाई सेवा को अब ग्वालियर तक बढ़ा दिया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री तथा फ्लाइट संख्या आई0एक्स 764 की अयोध्या से कोलकाता उड़ान के पहले यात्री को बोर्डिंग पास भी प्रदान किया गया। वर्चुअल माध्यम से हुए इस कार्यक्रम में केन्द्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ0 वी0के0 सिंह, कृषि मंत्री एवं अयोध्या के प्रभारी सूर्य प्रताप शाही,

गुरु गोबिन्द सिंह महाराज एक दिव्य महापुरुष थे, उनका इस धराधाम पर आगमन एक निश्चित उद्देश्य के लिए हुआ– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित किया

संवाददाता।

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरा देश दशमेश गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव से जुड़कर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए नई प्रेरणा प्राप्त कर रहा है। गुरु गोबिन्द सिंह महाराज एक दिव्य महापुरुष थे। उनका इस धराधाम पर आगमन एक निश्चित उद्देश्य के लिए हुआ था। गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज एक शहीद पिता के पुत्र तथा शहीद पुत्रों के पिता थे। गुरु तेगबहादुर सिंह जी महाराज ने धर्म, सत्य तथा न्याय की स्थापना के लिए शहादत की जिस परम्परा को प्रस्तुत किया था, उसे आगे बढ़ाते हुए गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज ने अपने आपको समर्पित कर दिया।मुख्यमंत्री आज यहां डी0ए0वी0 डिग्री कॉलेज में गुरु गोबिन्द सिंह महाराज के प्रकाश उत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी को सरोपा तथा सम्मान चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने राष्ट्रीय खेलों में पदक प्राप्त करने वाले खालसा इण्टर कॉलेज के 06 छात्रों, उनके खेल शिक्षक तथा प्रधानाचार्य को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिन्द सिंह महाराज ने हमारे सामने जो उदाहरण प्रस्तुत किये वह आज भी पूरे देश, समाज व हर सिख के लिए प्रेरणा है। उनके 04 पुत्रों–साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह , साहिबजादा जोरावर सिंह तथा साहिबजादा फतेह सिंह ने देश व धर्म के लिए अपनी शहादत दी। माता गुजरी जी इस शहादत की प्रत्यक्ष उदाहरण बनीं। इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम हैं, जिनमें कई–कई पीढ़ियों ने देश व धर्म के लिए अपने को बलिदान कर दिया। खालसा पंथ की स्थापना मुगल साम्राज्य के पतन का कारण बनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब साहिबजादा अजीत सिंह व जुझार सिंह युद्ध के मैदान में वीरगति को प्राप्त हुए तब उनकी उम्र बहुत कम थी। साहिबजादा जोरावर सिंह तथा साहिबजादा फतेह सिंह को जिन्दा दीवार में चुनवा दिया गया। उस समय उन पर धर्म परिवर्तन के लिए अनेक दबाव बनाये गये, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2018–19 में गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास पर महान कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरु गोबिन्द सिंह महाराज के छोटे पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह तथा साहिबजादा फतेह सिंह की स्मृति में 26 दिसम्बर की तिथि को वीर बाल दिवस के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित

करने का निर्णय लिया। आज यह भारत के करोड़ों नौजवानों के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख धर्म की नींव बहुत मजबूत है। इस पंथ से जुड़ा हुआ जुझारूपन आज भी देखा जा सकता है। सिख अपने परिश्रम, पुरुषार्थ व सेवा भाव के लिए जाने जाते हैं। सिख समुदाय की देश व धर्म के लिए मर मिटने की एक लम्बी परम्परा है। सभी 10 सिख गुरुओं ने अलग–अलग कालखण्ड में अपनी अलग पहचान बनाकर समाज का मार्गदर्शन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़े हुए अनेक गुरुद्वारे मौजूद हैं। लखनऊ में गुरु तेग बहादुर सिंह जी महाराज और गुरु गोबिन्द सिंह महाराज आये थे और यहां उस समय रुके थे। इन स्मृतियों को बनाये रखने और आधुनिक स्वरूप देने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई प्रेरणा और मार्गदर्शन का कार्य करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीषण शीतलहरी के बावजूद यहां आयोजित कार्यक्रम से लोग जुड़े हैं। यह वही प्रेरणा है जिसके बारे में प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमें अपनी विरासत का सम्मान करना चाहिए। सम–विषम सभी परिस्थितियों चाहे वह प्रकृति के द्वारा या मनुष्यों के द्वारा उत्पन्न की गयी हो, की परवाह किये बगैर हम अपनी परम्परा और विरासत को हर हाल में बनाये रखेंगे। मुख्यमंत्री ने गुरु महाराज से प्रार्थना करते हुए कहा कि हमें इतनी शक्ति प्रदान करें कि उनके मार्ग का अनुसरण करते हुए देश व समाज के लिए कुछ कर सकें।

स्कीमों का प्रलोभन देकर ठगी करने वाले गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

पूर्व कैबिनेट मंत्री को रिवार्ड पाइंट रिडीम करने का झांसा देकर की थी लाखों की ठगी

एलखनऊ । एसटीएफ यूपी को पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भोले–भाले व्यक्तियों के साथ क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड पॉइंट्स रिडीम कराने के नाम पर धोखाधड़ी कर लाखो रुपयों की साइबर ठगी करने वाले एक अभियुक्त को हुसड़ियां चौराहे के पास से मंगलवार की रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम मोहम्मद मुज्जमिल पुत्र उम्मेद अली उर्फ लिल्लाह निवासी कीमागढ़ थाना झिंझाना, शामली है। इसके कब्जे से दो मल्टीमीडिया मोबाइल, दो सौ रुपये नकद बरामद किया है।एसटीएफ उत्तर प्रदेश को विगत काफी दिनों से भोले–भाले व्यक्तियों के साथ साइबर फ्रॉड (जैसे–क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड पॉइंट को रिडीम कराने जैसी स्कीमों का प्रलोभन देकर) के जरिये फर्जी खातों में पैसे डलवाने वाले संगठित गिरोह के सक्रिय सदस्यों के सम्बन्ध में सूचनायें प्राप्त हो रही थी। पूर्व कैबिनेट मंत्री के साथ भी रिवार्ड पॉइंट रिडीम करने का झांसा देकर लाखो रूपए की साइबर ठगी की घटना हुई थी। इस घटना के सम्बन्ध में धर्मेश कुमार शाही, पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ मुख्यालय यूपी लखनऊ के पर्यवेक्षण में अभिसूचना संकलन की कार्रवाई की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुयी कि भोले भाले व्यक्तियों से फोन से प्रभाव में लेकर क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड पॉइंट को रिडीम कराने जैसी स्कीमों का प्रलोभन देकर फर्जी खातों में इंटरनेट के माध्यम से पैसे ट्रांसफर कराने वाले गिरोह का एक सदस्य लखनऊ में हुसड़िया चौराहे के पास मौजूद है। इस सूचना पर पर एसटीएफ की टीम द्वारा उक्त स्थान पर पहुंचकर उपरोक्त अभियुक्त मोहम्मद मुज्जमिल को आवश्यक बल प्रयोग कर गिरफ्तार कर लिया गया, तथा उसके कब्जे से उपरोक्त बरामदगी की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछने पर बताया की हम लोग भोले–भाले व्यक्तियों को विभिन्न स्कीमों जैसे क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड पॉइंट को रिडीम कराने जैसी स्कीमों का प्रलोभन देने के लिए मैसेज कराते है। फिर उनको अपने बातों से यकिन दिलाते हुए उनसे अपने फर्जी बैंक खातों में पैसा ट्रान्सफर करा लेते है। इन बैंक खातों को हम लोग फर्जी तौर पर इस्तेमाल करते है। कूटरचित दस्तावेज के आधार पर फर्जी सिम कार्डो के माध्यम से इंटरनेट बैंकिंग व यूपीआई द्वारा अपने एकाउण्ट में ट्रांसफर कर लेते है। इसके खिलाफ थाना गोमतीनगर, सहारनपुर में कई मुकदमे दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्त को थाना गोमतीनगर को सौंप दिया गया है। बुधवार को अभियुक्त से पूछताछ करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

हादसे के बाद कार में फंसे दो लोग, दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सकुशल निकाला बाहर

संवाददाता।

लखनऊ । राजधानी के हाईकोर्ट के गेट नंबर चार के बाहर बुधवार को एक कार डिवाइडर में जा घुसकर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। कार में दोनों बुरी तरह फंसे होने के कारण जब लोग निकाल नहीं पाये तो इसकी सूचना दमकल कर्मियों को दी। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचकर हाईड्रोलिक जैक और कटर की मदद से गाड़ी काटकर दोनों घायलों को निकाला। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। दमकल विभाग को दोपहर को सूचना मिली कि एक कार का हाईकोर्ट गेट नंबर चार के सामने एक्सीडेंट हो गया है। सूचना पर दमकलकर्मी सुरेंद्रनगर पहुंचे तो देखा कि मारूती कार डिवाइडर से टकरा जाने के कारण दो लोग फंस गए थे जो गंभीर रूप से घायल थे। जिनको हाइड्रोलिक जैक से फैलाकर व कटर से काटकर दोनों को कार से सकुशल निकाला गया। इसके बाद दोनों को एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजवाया गया। घायल होने वाले का नाम अभिषेक उम्र करीब 20 वर्ष, शिवा कुमार उम्र करीब 22 वर्ष है। दोनों पलहरी बाराबंकी के रहने वाले है। अस्पताल में भर्ती दोनों युवकों की हालत नाजुक बताई जा रही है। फिलहाल सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गये है।

क्रेडिट कार्ड के विषय में जानकारी लेकर निकाल लिये 1,31,890 रुपये

संवाददाता।

लखनऊ । राजधानी के थाना कैसरबाग क्षेत्र में साइबर ठगों ने क्रेडिक कार्ड में विषय में जानकारी लेकर एक खाता धारक के1,31,890 रुपये निकाल लिये। पीड़ित की तहरीर मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मोहम्मद अल्तमश पुत्र मोहम्मद अबरार निवासी ख्यालीगंज, अमीनाबाद ने थाना कैसरबाग पर सूचना दिया कि जनवरी को समय करीब 4.30 बजे शाम को वादी के मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया और उक्त कॉल करने वाले से वादी से कहा कि वह एसबीआई क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट से बोल रहा है। इसके बाद उसको तरह–तरह के ऑफर बताये, जिसमें वादी ने अपने क्रेडिट कार्ड को बन्द करवाने की प्रार्थना की तो उक्त ने वादी से कहा कि आपकी रिक्यूस्ट स्वीकार कर ली गयी है।

फ्रिज में लगी आग, दमकल कर्मियों ने पाया काबू

लखनऊ । राजधानी में बुधवार की सुबह बाजार खाला थानाक्षेत्र में आग लगने की सूचना पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया। हालांकि इस दौरान अफरा तफरी का माहौल रहा। आग बुझने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। बुधवार की सुबह 5.18 बजे थाना बाजार खाला द्वारा बताया गया कि एक मकान में फ्रिज में आग लग गई है । जिसकी सूचना प्राप्त होते ही चौक फायर स्टेशन से एफएसओ चौक के नेतृत्व में दमकल की गाड़ी रवाना हुई ।

हर घर से निकले राम जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा फतेहपुर

संवाददाता

सूरतगंज, बाराबंकी । अयोध्या में 22 जनवरी के होने वाली भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के दृष्टिगत बुधवार सुबह सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज फतेहपुर के प्राचार्य सुनील सिंह की अगुवाई में छात्र–छात्राओं द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भगवान श्रीराम माता सीता भगवान श्री राम के अनन्य भक्त महावीर हनुमान के स्वरूप में सैकड़ो छात्र–छात्र–छात्राओं ने नगर का भ्रमण किया। जय श्री राम जय जय हनुमान माता सीता भगवान लक्ष्मण के जयकारों से समूचा नगर गूंजमान हो गया। नगर के सभी चौराहों पर शोभा यात्रा का रामभक्तों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत। शोभा यात्रा के दौरान समूचा नगर राममय रहा। इस दौरान शोभा यात्रा की अगुवाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक सुदीप कुमार,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिला समरसता प्रमुख श्रवण कुमार, फतेहपुर खण्ड प्रचारक रामसूरत, विश्व हिंदू परिषद जिला उपाध्यक्ष अनुज दीक्षित, दुर्गेश सिंह (डीके), अधिवक्ता राजीव नयन तिवारी, विद्याकांत, महेश अग्रवाल, आचार्य वीरेंद्र शर्मा, दीप चन्द्र जैन सहित नगर के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

फ्राड की रकम साइबर सेल ने वापस कराई

संवाददाता। बाराबंकी । जिले की साइबर सेल टीम ने बुधवार को एक बैंक खाता धारक के क्रेडिट कार्ड के माध्यम से निकाले गए 33 हजार 558 रुपए की राशि को सकुशल वापस करा दिया। जिसके संबंध में बीती 15 तारीख को आईजीआरएस के माध्यम से एक शिकायती पत्र अनिल कुमार तिवारी पुत्र सत्ती प्रसाद तिवारी निवासी 10 बटालियन पीएसी मसौली ने दिया था। क्रेडिट कार्ड के माध्यम से निकाली गई राशि को पुन वापस पाकर अनिल व उनके परिजनों ने साइबर सेल टीम सहित बाराबंकी पुलिस का आभार प्रकट किया है। इस पुलिस टीम में प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक विजय सिंह सिरोही, उप निरीक्षक चंद्र प्रकाश यादव, मुख्य आरक्षी राजन यादव, आरक्षी अभिषेक चपराणा, गौरव त्रिपाठी व सुधाकर भदोरिया शामिल रहे।

खिचड़ी भोज का हुआ आयोजन

संवाददाता रामनगर, बाराबंकी। भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश शुक्ला द्वारा अमोली गांव स्थित अपने आवास पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर के भाजपाई व जन प्रतिनिधि पहुँचे। उन्होंने ने बताया कि मकर संक्रांति वाले सप्ताह में प्रत्येक वर्ष हमारा यह कार्यक्रम मनाया जाता है। इस वर्ष भी खिचड़ी भोज का क्रायक्रम आज बुधवार को था।जिसमे सांसद उपेंद्र सिंह रावत, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, पूर्व चेयरमैन बद्री विशाल त्रिपाठी, रहे।

शुभम सोती फाउंडेशन ने रेट्रो रिफ्लेक्टर रेडियम की पट्टियां लगाने का कार्य किया

संवाददाता।

लखनऊ । शुभम सोती फाउंडेशन 2010 से प्रति वर्ष 5 जनवरी को सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम करता चला आ रहा है। 15 जुलाई 2010 को मेरे पुत्र शुभम सोती की एक आकस्मिक एवं दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

शुभम सोती फाउन्डेशन सन 2010 से निरंतर सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं इस क्षेत्र में व्यवहार परिवर्तन को लक्ष्य बनाते हुए नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रतिमाह कुछ ना कुछ सामाजिक कार्य सम्पादित होता है। इस वर्ष 5 जनवरी से दस दिन के लिए शुभम सोती फाऊंडेशन ने साइकिलों, इ–रिक्शाओं, ट्रॉली एवं ऐसे वाहनों पर जिसमें अधिकांशतः पीछे की लाइट या तो टूटी होती है या होती ही नहीं है, उन पर रेट्रो रिफ्लेक्टर की पट्टियां लगाने का कार्य किया। हमें आशा है कि इस छोटे से प्रयास से संभवतः हमारी संस्था ने सड़क सुरक्षा जागरूकता में अपनी भागेदारी दर्ज कराई होगी।क्योंकि इस घने कोहरे में पीछे से रेडियम की इन पट्टियों की चमक दिखाई देती है और सड़क पर ऐसे वाहन अपनी उपस्थिति दर्ज कर पाते हैं, इससे कोहरे की दशा में इस रेट्रो रिफ्लेक्टर से दुर्घटनाओं में भी कमी अवश्य ही आएगी। इसी क्रम में आज दस दिन से चल रहे उपरोक्त अभियान जिसमें हमने शहर के विभिन्न चौराहों पर, कहीं कहीं पर समाचार पत्र वितरकों की साइकिलों पर रेट्रो रिफ्लेक्टर रेडियम की पट्टियां लगाईं। आज अंतिम दिन शहीद पथ के नीचे उतरेठिया क्रॉसिंग पर अनेकों अनेक वाहनों पर रेडियम की पट्टियां लगाईं। आज के इस आयोजन में टीएसआई नीतीश चंद्र शुक्ला, टीएसआई आसिफ अख्तर, एचसीपी चंद्र भूषण यादव, सिपाही सुधांशु कुमार, होम गार्ड अमित शुक्ला सहित शुभम सोती फाउंडेशन के वरिष्ठ पदाधिकारी आशीष सिंह एवं विनीत मिश्रा उपस्थित थे।

यश तेजवानी को 1,89,120 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप

लखनऊ, 17 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के छात्र यश तेजवानी को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका के प्रतिष्ठित

एल्बियन कालेज द्वारा 1,89,120 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। सी.एम.एस. छात्र को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। यश ने इस सफलता का श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। सी.एम.एस. एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर भी है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है।

वर्ष 2023 में सी.एम.एस. के 100 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों जैसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक), मैसाचुसेट्स इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.), स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कार्नेल यूनिवर्सिटी, मेलबर्न यूनिवर्सिटी एवं नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर आदि में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष भी सी.एम.एस. छात्र रिकार्ड संख्या में विदेश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का गौरव बढ़ायेंगे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 18 जनवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

आरा मशीन मंडल अध्यक्ष पुनः फिर से बनाया गया

रिपोर्ट– राशिद पठान

झांसी! आज आरा मशीन मंडल अध्यक्ष पुनः फिर से बनाया गया मनोज श्रीवास्तव आपको बताते चलें कि सिमरावरी आरा मशीन मण्डल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव का भाव स्वागत किया गया फूल ढोल बाजे नगरों के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव जी फूलमाला पहनकर उनको पुनः मंडल अध्यक्ष बनने जाने पर लोगों ने बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी मंडल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने लोगों से कहा में अपनी जिम्मेदारी से कभी भी पीछे ना हटा हू ना हटूंगा और लोगों की क्षेत्र में ऐसी ही सेवा लोगों को अपनी देता रहूंगा मनोज श्रीवास्तव ने कहा आज हम जो भी हैं बुजुर्गो की दुआ और लोगों का प्यार है जो कि मुझे लोगों ने सम्मान किया में उन लोगों दिल से सभी को धन्यवाद देता हूं मंडल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा माननीय नरेंद्र मोदी जी माननीय योगी जी माननीय विधायक राजीव सिंह परिछा और सांसद अनुराग शर्मा जी के तत्वाधान में ऐसे ही सभी का आशीर्वाद लेकर अपना कार्यकर्ता करता रहूंगा व्यापारियों वह क्षेत्र के सभी लोगों ने भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव का भाव फूल मालाओं से स्वागत किया इसमें मौजूद विजय सिंह चौहान अख्तर खान संजीव विश्वकर्मा रोहित सोनी राहुल सोनी बृजेश कुमार अजय सेन जीवन भैया राजेश भगवती प्रसाद श्याम बालवीर विश्वकर्मा सभी लोगों मौजूद रहे

आज सहकार भारती झांसी विभाग के द्वारा सहकारिता दिवस के उपलक्ष में स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता

झांसी! जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश संगठन मंत्री डॉ अरुण सिंह जी विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष गजेंद्र जी प्रदेश कोषाध्यक्ष शिवेंद्र जी प्रदेश मंत्री क केओझा जी उपस्थित रहे अध्यक्षता विभाग

संयोजक आंचल अर्जरिया ने की इस अवसर पर झांसी महानगर के उपाध्यक्ष` `सिंह सहित ललितपुर जिले से संतोष चौरसिया बृजेश गुप्ता नीलम सोनी राजकुमारी बुंदेला उपस्थित रहे झांसी ग्रामीण से वंदना कुशवाहा उरई से उरई जिला अध्यक्ष उपेंद्र उपस्थित रहे प्रारंभ में अतिथियों ने भारत माता एवं सहकार भारती के संस्थापक इनामदार के चित्र पर माल्यार्पण का एवं दीप प्राजूलंकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तत्पश्चात सहकार भारती के विषय में विस्तार पूर्वक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में सरकार भारती की भूमिका सहकारिता के माध्यम से कृषि का विकास सहकारिता आंदोलन से गांव में होने वाले परिवर्तन गांव के विकास डेरी उद्योग के विकास मत्स्य रेशम बंबू सहित अन्य उद्योगों पर प्रकाश डाला गया बताया गया कि सहकार भारती के माध्यम से किस तरह स्वयं का परिवार का एवं समाज का पालन पोषण कर उद्धार किया जा सकता है उद्योग लघु उद्योग कुटीर उद्योग स्थापित करने में सहकार भारती लगातार लोगों की मदद कर रहा है सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु भी सरकार भारती कार्यकर्ता निरंतर प्रयासरत हैं किसानों को होने वाली खाद की समस्या बीज की समस्या को हल करने में भी सरकार भारती लगातार प्रयासरत है अब सहकारिता के माध्यम से गैस एजेंसी पेट्रोल पंप जैसे कारोबार भी सुलभ हो गए हैं आते हैं आप सभी सहकार भारती के सदस्य बन सहकार भारती से जुड़े ऐसी अपेक्षा सभी ने की कार्यक्रम में सहसंयोजक प्रवीण एवं जिला महामंत्री उदय सोनी ने संचालन किया आभार राजेंद्र सहरिया ने किया

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण गांधी सभागार झांसी में आयोजित किया गया

झांसी। जिलाधिकारी झांसी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के आदेशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण झांसी के तत्वाधान में एक दिवसीय आपदा प्रबन्धन विषयक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण गांधी सभागार झांसी में आयोजित किया गया। जिला आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ कृष्ण कुमार द्वारा मास्टर ट्रेनर आपदा प्रबन्धन मुकेश कुमार जायसवाल, मोहम्मद अनीस, प्रशिक्षक आपदा प्रबन्धन आनन्द कुमार सक्सेना, भूपेंद्र पाल खत्री, अतुल अग्रवाल किलपन, अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, संजय वर्मा, डॉ. पवन कौशिक, संजीव कुमार साहू, मोहम्मद फैजान, कालका प्रसाद एवं राजकुमार सिंह को प्रशिक्षण सम्बधी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, लेखपाल, राजस्व निरीक्षक, डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएं, आशा कार्यकत्री आदि लगभग 3000 से अधिक प्रतिभागियों को दिनांक 18 से 24 जनवरी तक एक दिवसीय जन जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। जनपद के समस्त विकास खण्डों, तहसीलों एवं स्थानीय गांधी सभागार में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा 6 टीमें गठित की गई है।

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण गांधी सभागार झांसी में आयोजित किया गया

झांसी। जिलाधिकारी झांसी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के आदेशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण झांसी के तत्वाधान में एक दिवसीय आपदा प्रबन्धन विषयक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण गांधी सभागार झांसी में आयोजित किया गया। जिला आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ कृष्ण कुमार द्वारा मास्टर ट्रेनर आपदा प्रबन्धन मुकेश कुमार जायसवाल, मोहम्मद अनीस, प्रशिक्षक आपदा प्रबन्धन आनन्द कुमार सक्सेना, भूपेंद्र पाल खत्री, अतुल अग्रवाल

किलपन, अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, संजय वर्मा, डॉ. पवन कौशिक, संजीव कुमार साहू, मोहम्मद फैजान, कालका प्रसाद एवं राजकुमार सिंह को प्रशिक्षण सम्बधी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, लेखपाल, राजस्व निरीक्षक, डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएं, आशा कार्यकत्री आदि लगभग 3000 से अधिक प्रतिभागियों को दिनांक 18 से 24 जनवरी तक एक दिवसीय जन जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। जनपद के समस्त विकास खण्डों, तहसीलों एवं स्थानीय गांधी सभागार में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा 6 टीमें गठित की गई है।

खेल मैदान में ग्रामीणों ने फिर कैद किये 40 गोवंश

संवाददाता।

सुल्तानपुर। शासन स्तर के अधिकारी गौशाला चेक कर रहे। गोवंशों को गौशाला पहुंचवाने के निर्देश भी अधिकारियों द्वारा लगातार दिए जा रहे। लेकिन मातहतों की लापरवाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 23 दिनों में बल्दीराय तहसील क्षेत्र में तीसरी बार फसलों को बचाने के लिए ग्रामीणों ने आवारा पशु को कैद किया। अब ये मामला सोरांव गांव से सामने आया है। जानकारी के अनुसार बल्दीराय तहसील क्षेत्र के सोरांव में ग्रामीण आवारा गोवंशो से परेशान थे। ऐसे में ग्रामीणों ने लगभग 40 गोवंशों को गांव में बने खेल मैदान में लगभग कैद कर गेट में ताला लगा दिया।प्रधान, सचिव व ब्लॉक कर्मचारियों को ग्रामीण सूचना देते रहे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सारे पशु रातभर ठंड में खुले आसमान में ही रहे। गांव के शमशाद ने सुबह में खंड विकास अधिकारी बल्दीराय को सूचना दी। तब जाकर पशु कैचर वाहन पहुंचा। जिस पर उनको लदवाकर गोशाला भिजवाया जा रहा है। बीडीओ एसएन सिंह ने बताया कि जानवरों को हलियापुर गोशाला भिजवाया जा रहा है। आपको बता दें कि इससे पूर्व तहसील क्षेत्र में 25 दिसंबर को डीह सिंदुरापुर गांव में ग्रामीणों ने 200 से अधिक गोवंशों को स्कूल में कैद किया था। अगले दिन इन्हें हलियापुर गोशाला ले जाया गया तो गोवंश स्कूल में मर चुके थे। जिसकी जांच जारी है। वही बीते 11 जनवरी को बिसावा गांव में भी दर्जनों गोवंशों को ग्रामीणों ने स्कूल में बंद किया था।

संदिग्ध परिथितियों मे मिला युवक का जला हुआ शव

संवाददाता।

सुल्तानपुर। डेढ़ साल की दो जुड़वा बच्चियों के पिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अलाव के पास उसका जला हुआ शव पाया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक नशा करता था। ऐसे में प्रतीत हो रहा है कि नशे की स्थिति में उसने सुसाइड किया है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम में भेजकर पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दिया है। घटना कोतवाली देहात थानाक्षेत्र के दुबेपुर ब्लॉक की है। क्षेत्र निवासी रमेश वर्मा का ब्लॉक पर बन रहे मेडिकल कॉलेज के पास ही खेत है। यही पर उनका 25 वर्षीय पुत्र विक्रांत वर्मा फॉर्म हाउस चलाता था। उसने कई एक बकरियां पाल रखा था। लेकिन व्यवसाय में घाटा हुआ तो उसने दो माह पूर्व बची बकरियां बेचा और दिल्ली चला गया। स्थानीय लोगों की माने तो दिल्ली से दो–तीन दिन पूर्व ही वो लौटा था। आज उसका शव खेत के पास जला हुआ मिला। बगल में ही अलाव जल रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि या तो अलाव तापते हुए वो हादसे का शिकार हुआ या फिर उसने सुसाइड कर लिया। सूचना मिलने पर कोतवाली देहात एसएचओ श्याम सुंदर, सीओ लंभुआ अब्दुस सलाम व पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल में पता चला कि मृतक युवक शराब का नशा करता था। ऐसे में माना जा रहा है कि नशे के आलम में वो अलाव पर जा गिरा और हादसे का शिकार हो गया। सीओ अब्दुस सलाम ने बताया कि जांच के बाद शव पोस्टमार्टम में भेजा गया है।

अभी परिवार की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। हम हर एंगल में जांच कर रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ हो जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि मृतक दो भाई व दो बहन है। उसके डेढ़ साल की जुड़वा बेटियां हैं।

गन्ना मूल्य निर्धारण को लेकर किसान संगठन का प्रदर्शन

संवाददाता

सुलतानपुर। सरकार द्वारा गन्ना पेराई सत्र 2023–24 का गन्ना मूल्य का निर्धारण अबतक नहीं हुआ है। किसानों का कहना है कि इतिहास में इतना विलम्ब किसी सत्र में नहीं हुआ। ऐसे में आज एक बार फिर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक गुट ने डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा है। किसान नेताओं का कहना है कि 25 अक्टूबर 2023 को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात में गन्ना मूल्य में वृद्धि किये जाने के लिए आश्वस्त किया गया था। हाल में बिजनौर के नजीबाबाद में एक कार्यक्रम में गन्ने के मूल्य में वृद्धि कर मूल्य घोषित करने की बात सरकार द्वारा कही गयी थी। प्रदेश में इस बार प्राकृतिक आपदा एवं बीमारी के चलते गन्ना का उत्पादन कम होने के कारण शुगर मिलो और क्रेशर में 400 क्विंटल तक गन्ना खरीदा जा रहा है। किसान मूल्य घोषित न होने के कारण असमंजस की स्थिति में है। पंजाब एवं हरियाणा में गन्ने का मूल्य घोषित किया जा चुका है। वही अपने ज्ञापन में किसानों ने आवारा पशु किसानों की फसल को चट कर दे रहे हैं। किसान भुखमरी की कगार पर है। इसे रोकने की मांग की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह ने तहसीलदार केशव प्रसाद सिंह को ज्ञापन सौंपा है। जहां जिला महामंत्री कर्मराज द्विवेदी, महिला जिला प्रकोष्ठ महासचिव पूजा दुबे, ब्लॉक अध्यक्ष लंभुआ गब्बर शर्मा, अध्यक्ष कूरेभार धर्मेंद्र अग्रहरी, तहसील महासचिव कादीपुर दिलीप वर्मा और 50 से अधिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

सभी पीएचसी, सीएचसी को किया गया एलर्ट मोड पर–सीएमओ

संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले की सभी पीएचसी, सीएचसी को विशेष व्यवस्था के साथ एलर्ट कर दिया है। खासकर राम पथ गमन मार्ग पर पड़ने वाली पीएचसी 4 बेड़ व सीएचसी में 6 बेड़ विशेष तौर पर मरीजों के लिए आरक्षित की गई है, साथ ही जीवन रक्षक दवाएं विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम को निर्देशित किया गया है कि 24 घंटे एलर्ट रहें। किसी प्रकार की समस्या हो फौरन सूचित करें जिससे समय रहते उसका निराकरण कर लिया जाए। उक्त बातें मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.ओम प्रकाश चौधरी ने कहा। उन्होंने बताया कि मैं स्वयं जनपद की सभी पीएचसी व सीएचसी का दौरा करने के पश्चात समस्त डाक्टर व स्टाप को एलर्ट रहने के निर्देश दे चुका हूं। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जनपद से श्रद्धालुओं का गुजरना होगा, जिसके लिए पहले से ही विभाग ने तैयारी कर रखी है, स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ–सफाई जीवन रक्षक औषधि की उपलब्धता तथा डॉक्टर व स्वास्थ कर्मियों को पीएचसी व सीएचसी में बने रहने का निर्देश दिया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.ओम प्रकाश चौधरी ने बताया कि 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम तक शासनादेश के अनुरूप समस्त स्वास्थ केंद्र क्रियाशील रहेंगें। उन्होंने कहाकि किसी भी दशा में लापरवाही क्षम्य नही होगी। मुख्य चिकित्साधिकारी स्वयं राम पथ गमन मार्ग पर पड़ने वाली पीएचसीसीएचसी का निरीक्षण कर रहे है ताथ ही आवश्यक दिशा निर्देश भी दे रहे है।

बमनुआ में 4 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हुई मौत

2 की हालत नाजुक ग्रामीणों ने की मदद

झांसी! टहरौली कस्बे से सटे ग्राम बमनुआ में उस समय हड़कंप मच गया जब अचानक चार राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मृत्यु की ग्रामीणों को सूचना मिली वहीं ग्रामीणों की मदद से पुलिस को सूचना दी

गई मौके ओर पहुंची पुलिस ने सभी पक्षियों को अपने कब्जे में लेकर वन विभाग के सुपुर्द कर दिया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र टहरौली अंतर्गत आने वाले ग्राम बमनुआ में आज सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों को सुबह इतर–बितर राष्ट्रीय पक्षी म्रत मिले जानकारी मिलते ही समाज सेवी राकेश कुशवाहा ने थानाध्यक्ष टहरौली दिनेश कुरील को सूचना दी । सूचना मिलते ही मोके पर थानाध्यक्ष सहित पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच कर सभी शवों को एकत्रित करके वन विभाग को सूचना दी सूचना मिलते ही वन विभाग के आला अफसर मौके पर पहुँच गए और सभी शवों के कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है और अन्य 2 घायल पक्षियों को मेडिकल चेकअप के लिए भेज दिया है।

थाना मऊरानीपुर पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

झांसी ! वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी के कुशल निर्देशन में व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर के निकट पर्यवेक्षण में थाना स्थानीय पर अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मु0अ0सं0–23/2024 धारा307/323/324/504/506भादवि में वांछित अभियुक्त 1–प्रकाश अहिरवार पुत्र नोरे निवासी ग्राम ढकरवारा थाना मऊरानीपुर जनपद झांसी को पठा पुलिया थाना मऊरानीपुर से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

राममय हुई अयोध्या, घर के दरवाजों से लेकर दुकानों के शटर तक सिर्फ राम ही राम

संवाददाता।

अयोध्या। अध्यात्म से परिपूर्ण रामनगरी में पौष मास, शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि से श्रीराम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया। इस अयोध्या की हर दुकान, हर मकान, हर सड़क, हर रास्ते पर सिर्फ जय श्रीराम की आध्यात्मिक अनुभूति महसूस की जा रही है तो विरासत और आधुनिकता का समावेश बैठाती नव्य अयोध्या भी दिख रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में राममय हुई आधुनिक अयोध्या त्रेतायुगीन वैभव सी सजने लगी है तो वहीं रामपथ की दुकानों पर फहरा रही राम पताका बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। महज पांच दिन और शेष, जब श्रीरामलला अपने दिव्य–भव्य मंदिर में विराजमान होंगे तो यकीनन दृश्य बेहद भव्य होगा। यह सोच कर ही रामभक्तों का रोम–रोम पुलकित हो उठ रहा है। यहां तक की विंटेज आर्टिस्टिकली क्राफ्टेड स्ट्रीट लाइट लैंप पोल पर भी राम की पताका फहरा रही है। जैसे दीपावली के पहले रंगते–पुतते घरों की साज–सज्जा समेटी जाती है, अयोध्या के लिए भी समय कम और काम बहुत अधिक है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में 5 दिन शेष हैं। सरयू के तटों पर मकर संक्रांति की रौनक ने जैसे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का मंगलाचरण कर दिया है। यहां घाटों पर श्रीराम की स्तुतियां, भजन और मंदिर निर्माण के लिए हुए अथक संघर्ष के विजय गीत गूंज रहे हैं। रामघाट से अयोध्या में प्रवेश करते समय दिख रही रौनक दीवाली सी अनुभूति भी करा रही है। 'अयोध्या अब सजने लगी है', 'अयोध्या के राजा भारत है आपका–महलों में आओ, स्वागत है आपका' आदि गीत श्रद्धालुओं के रोम–रोम को पुलकित कर रहे थे। विरासत और आधुनिकता का समावेश बैठाती नव्य अयोध्या में विंटेज आर्टिस्टिकली क्राफ्टेड स्ट्रीट लाइट लैंप पोल लगाया जा रहा है। यह देखने में आकर्षक तो है ही, इस पर भी श्रीराम का धनुष बाण अलग ही सौंदर्य बयां कर रहा। सज रही आधुनिक अयोध्या में इस लैम्प तक पर धनुष बाण और राम पताका फहर रही है, जो खुद ही बरबस ध्यानाकृष्ट कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब रामनगरी को सजाने की पहल शुरू की तो ही उनके जेहन में था कि रामनगरी अब त्रेतायुगीन वैभव का अहसास कराए। ऐसे में, छोटी से छोटी चीजों का ध्यान रखा गया। रोड चौड़ीकरण के उपरांत जब नए सिरे से दुकानें सजाई गईं तो उसके शटर पर भी राम–जयश्रीराम और धनुष की आकृति बनाई गई। उस वक्त तो यह सिर्फ पेंटिंग ही रही पर जब योगी आदित्यनाथ की इस परिकल्पना को बाहर से आए लोगों ने देखा तो इस पहल के कायल हो गए और उनके मुख से यही निकला कि योगी आदित्यनाथ ने आधुनिक अयोध्या की दीवारों तक को राम नाम में रंग दिया है। यहां जीर्णोंद्धार किए जा रहे मकान–दुकान और मंदिरों पर लगाए जाने वाले पत्थरों पर भी जय श्रीराम की गूंज है। हनुमानगढ़ी से पहले सब्जी मंडी के समीप सप्तसागर कॉलोनी के पास के मकान हों या तुलसी उद्यान के पीछे की कॉलोनी, यहां पर भी लगाए गए दरवाजे रामनाम से अतिथि देवो भव के रूप में स्वागत कर रहे हैं। किसी मकान के दरवाजे पर श्रीराम तो किसी पर गजानन महराज की फोटो लगी है। रामनगरी में ठहरने वालों के लिए बनाए गए होम स्टे–गेस्ट हाउस आदि पर इसी आकृति से आगन्तुकों का स्वागत हो रहा है। मकर संक्रांति पर स्नान करने आई बस्ती की मनोरमा हों या गोरखपुर की गीता। देवरिया से आए रामप्रसाद भी सरयू स्नान के पश्चात मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। काफी वर्षों बाद यहां आए रामप्रसाद रामपथ पर दीवारों का एक सा रंग देख अनुभूति कर रहे हैं कि त्रेतायुगीन अयोध्या ऐसी ही रही होगी। इन रास्तों पर सजी दुकानों पर फहरा रही केसरिया पताका देख श्रद्धालु भी जयश्रीराम का उद्घोष कर रहे हैं।

हनुमानजी को विशेष भव्य चांदी का मुकुट किया समर्पित

संवाददाता।

अयोध्या भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से पूर्व अयोध्या नगरी उत्सव का केंद्र बन चुकी है। प्रतिदिन अयोध्या में तमाम ऐसे धार्मिक और पारंपरिक आयोजन हो रहे हैं जो अयोध्या की गरिमा और संस्कृति का परिचय कराती हैं।राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को होने जा रहा है। यह दुनियाभर के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक और शुभ अवसर है। भक्त अपने भगवान की सेवा में दिल खोलकर दान कर रहें है,तो कुछ लोग विशेष उपहार लेकर रामनगरी आ रहे है। ऐसे में इस खास मौके पर देशभर से भक्त अनोखे उपहार भेज रहे हैं। ऐसे ही एक भक्त मेवाड़ भीलवाड़ा राजस्थान पूरन दास जी की बगीची के महंत श्री आशुतोष दास जी महाराज अपने तमाम शिष्य परिकरों के साथ भगवान की सेवा में विशेष उपहार लेकर आये। महंत श्री आशुतोष दास जी महाराज प्रसिद्ध पीठ श्री हनुमानगढ़ी में हनुमानजी की सेवा में विशेष कारीगरों से निर्मित दिव्य भव्य करीब 2 किलो चांदी का बेहतरीन मुकुट आज हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन श्रीमहंत प्रेमदास जी महाराज के हाथों समर्पित किया। महंत श्री आशुतोष दास ने बताया कि ये मुकुट राजस्थान के विशेष कारीगरों द्वारा निर्मित कराया गया था। जो आज श्री हनुमानजी की सेवा में समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को करीब 4 किलो चांदी का भव्य विशेष थाल भगवान रामलला सरकार को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि 2019 में जब भगवान रामलला का भव्य शिलान्यास हुआ था तब वे अपने भक्तों के साथ चांदी की 5 ईंटें जो करीब 5 किलो की रही उसे भगवान रामलला की सेवा में समर्पित किया था। महंत आशुतोष दास जी ने कहा भगवान राम जी के दिव्य भव्य मंदिर का सपना देश के जन–जन का सपना था। यह मूर्त रूप ले रहा है। जितना आनंद हमें है, सभी सनातनियों को भी है।

देश के कोने–कोने से आने वाले लोग सबकुछ न्योछावर करने को तैयार हैं। अपने स्तर पर हर कोई मूल्यवान से मूल्यवान उपहार भगवान को भेंट कर रहा है। भगवान अपने घर पहुंच रहे हैं, इससे बड़ा और क्या हो सकता है। इस मौके पर गद्दीनशीन जी के शिष्य समाजसेवी संत मामा दास, पहलवान नितिन दास, आचार्य विमलेश,सुरेश उपाध्याय सहित तमाम भक्त मौजूद रहें।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अलर्ट मोड में पुलिस प्रशासन

संवाददाता।

मिल्कीपुर–अयोध्या अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को आयोजित भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देशभर में व्यापक तैयारियां चल रही है। पूरे देश में उत्साह और उल्लास दिखाई दे रहा है। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र में भी लोगों में इसको लेकर खासा उत्साह है। लोग प्राण प्रतिष्ठा को दीपावली के रूप में मनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। 22 जनवरी को गांव से लेकर मठ मंदिरों तक पूजा पाठ, धार्मिक अनुष्ठान एवं जागरण के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस बीच किसी प्रकार कोई अप्रिय घटना न घटे, इसको लेकर पुलिस हाई अलर्ट मोड़ पर है तथा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस टीम द्वारा अयोध्या जनपद की सभी सीमाओं पर चेकिंग अभियान तेज कर दी है। जिले की सीमा पड़ोसी जनपद की सीमा अमेठी, सुल्तानपुर की सीमा से लगी हुई है।

संपादकीय

कूटनीतिक संबंधों का दायरा

आम समझ है कि कूटनीति एक बेहद गंभीर कार्य है, जिसका अत्यंत बारीक दायरा होता है। यह सोशल मीडिया ट्रोल्स की समझ से बाहर की बात है। इसलिए इसे पेशेवर कूटनीतिकों के दायरे में ही रखना उचित होता है।

मालदीव के साथ रिश्ता अब ब्रेकिंग प्वाइंट पर पहुंचता नजर आ रहा है। फिलहाल यह साफ है कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने चीन को अपनी विदेश नीति में केंद्रीय स्थान दे दिया है। ऐसा वे भारत के हितों और भावनाओं की कीमत पर कर रहे हैं। हाल की चीन यात्रा के बाद उनकी सरकार का रुख और सख्त हुआ है। नतीजतन, मालदीव ने भारत से अपने उन सैनिकों को 15 मार्च तक वापस बुला लेने को कह दिया है, जो वहां उन दो हेलीकॉप्टरों की देखरेख के लिए तैनात थे, जिन्हें भारत ने मालदीव को उपहार के रूप में दिए थे। अनुमान लगाया जा सकता है कि हाल में दोनों देशों के संबंधों में बढ़ी कड़वाहट का असर मोइज्जू सरकार के रुख पर पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्षद्वीप दौरा, उसके बाद सोशल मीडिया पर पर्यटन के लिए मालदीव के विकल्प के रूप में लक्षद्वीप को प्रचारित करने की मुहिम, उस पर मालदीव के तीन नेताओं की मोदी के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल और फिर भारत में सोशल मीडिया पर जताए गए अनियंत्रित गुस्से ने हालात सुलगा दिए हैं।

इस बीच नई दिल्ली स्थिति मालदीव के राजदूत को भारतीय दूतावास में भी बुलाया गया था। अब यह विचारणीय है कि पास–पड़ोस के देश भारत से क्यों बिदकते जा रहे हैं? और अगर किसी देश के ऐसा करने का संकेत मिले, तो हालात को संभालने का सही रास्ता क्या है? आम समझ है कि कूटनीति एक बेहद गंभीर कार्य है, जिसका अत्यंत बारीक दायरा होता है। यह सोशल मीडिया ट्रोल्स की समझ से बाहर की बात है। इसलिए इसे पेशेवर कूटनीतिकों के दायरे में ही रखना उचित होता है। यह ठोस समझ बन चुकी है कि विदेश संबंधों और उनसे जुड़े विवादों का घरेलू राजनीति में लाभ उठाने की रणनीति देश के दीर्घकालिक हितों को क्षति पहुंचाती है। इसलिए ऐसे नजरिए पर अब पुनर्विचार की जरूरत है। कूटनीति शतरंज का एक लंबा खेल है, जिसमें हर दांव के बाद अगले दांव की संभावना बनी रहती है। अब मोइज्जू ने एक दांव चला है, लेकिन बात यहां से भी संभाली जा सकती है।

दो यात्राओं का फर्क

नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान तीन हिंदी भाषी प्रदेशों में कांग्रेस की करारी हार हुई। संभवतरू तब कांग्रेस को फिर से यात्रा की याद आई। यही कारण है कि मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा का पूरा संदर्भ बदला हुआ है।

राहुल गांधी ने जब सितंबर 2022 में कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी, तो उसे दलगत तकाजों से ऊपर बताया गया था। देश के एक बड़े जनमत ने भी उसे देश में फैली नफरत और विभाजन की भावना के बीच मरहम लगाने की एक गंभीर कोशिश के रूप में देखा। तब राहुल गांधी ने मोहब्बत की दुकान की उपमा से उस यात्रा को बड़ा संदर्भ देने की कोशिश की थी। 31 जनवरी 2023 को जब वह श्रीनगर में यात्रा समाप्त हुई, तो वहां गिरती बर्फ के बीच दिए गए राहुल गांधी के भाषण लोगों के मन को छुआ। तब लोगों ने समझा था कि एक राजनेता देश में बड़ा पैगाम फैलाने के अभियान में निकला है। लेकिन यात्रा की समाप्ति के बाद जल्द ही ये प्रभाव मद्धम पडने लगा। लोगों को राहुल गांधी को अभी मेकेनिक और किसान, तो कभी कुली बनते और यहां तक कि पहलवान की ऐक्टिंग करते देखने का कौतुक प्राप्त हुआ। इस बीच कांग्रेस को कर्नाटक में जीत मिली और उसके बाद राहुल गांधी चुनावी तकाजों में सिमट गए। इस बीच जातीय जनगणना को उन्होंने अपना सेंट्रल थीम बनाया। इस दौरान उनकी जुबान पर 1990 के दशक में प्रचलित हुए मंडलवादी मुहावरे छाये रहे। लेकिन नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान तीन हिंदी भाषी प्रदेशों में यह रणनीति मुंह के बल गिरी। संभवतरू तब कांग्रेस को फिर से यात्रा की याद आई। चूंकि इस बीच सामाजिक न्याय पार्टी का एजेंडा बन चुका था, तो इसका नाम बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर दिया गया। इससे इस बार मणिपुर से शुरू हुई 67 दिन की यात्रा का पूरा संदर्भ बदला हुआ है। शुरुआत में यह यात्रा ये संदेश देने में विफल रही है कि यह दलगत तकाजों से ऊपर है। इसलिए कांग्रेस से बाहर के हलकों में यह पहले जैसा आकर्षण पैदा नहीं कर पाई है। पिछली यात्रा में अनेक ऐसे सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग शामिल हुए थे, जो अतीत में कांग्रेस की नीतियों से असहमत रहे हैं। उससे यात्रा में चार चांद लगे। यह देखने की बात होगी कि क्या इस बार भी ऐसा हो पाता है।

सौ दिनों में नेतन्याहू और फेल!

इजराइल–हमास युद्ध को शुरु हुए सौ दिन पूरे हो गए हैं।इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने श्पूर्ण विजयश तक लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। वे इन तथ्यों के बावजूद यह रवैया त्यागने को तैयार नहीं हैं कि युद्ध का नतीजा अनिश्चित है औरगाजा में मौतें बढ़ रही हैं। साथ ही यह डर भी बढ़ रहा है कि लड़ाई एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का स्वरुप ले सकती है।

गाजा के अधिकारियों के मुताबिक, इजरायली सेना द्वारा हमास के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में अब तक 23,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा की ज्यादातर आबादी विस्थापित हो चुकी है।दक्षिण अफ्रीका ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए प्रकरण दायर किया है। अमेरिका ने इजराइल से कहा है कि वह सैन्य अभियान को धीमा करे। कई अन्य देशों ने तुरंत युद्धविराम लागू करने की मांग की है। यहूदी–विरोधी विचारधारा जोर पकड़ रही है और यहूदियों के प्रति दुनिया की सहानुभूति घट रही है।इस सबके बाद भी नेतन्याहू ईरान और उसके द्वारा प्रायोजित लेबनान में सक्रिय हिजबुल्लाह और यमन में केन्द्रित हूतियों को ललकार रहे हैं। हिजबुल्लाह और हूतियों द्वारा फिलिस्तीनियों के साथ उनकी एकजुटता दिखाने के लिए की जा रही सैनिक कार्यवाहियों से बड़े टकराव का खतरा बढ़ गया है।अमेरिका भी इस टकराव में शामिल हो गया है। उसने हूतियों द्वारा व्यापारिक जहाजों पर दो दर्जन से अधिक हमलों की प्रतिक्रिया में पिछले हफ्ते यमन में हूतियों के अड्डों पर हवाई हमले किए। इजराइल–लेबनान सीमा पर भी गोलीबारी जारी है, जिसके चलते हजारों इजरायली और लेबनानी आसपास के इलाके छोडने को बाध्य हो गए हैं। इजराइल ने चेतावनी दी है कि यदि इनके वापिस लौटने के लिए किए जा रहे कूटनीतिक प्रयास सफल नहीं हुए तो वह बड़ी सैनिक कार्यवाही करेगा। बीबी की धमकियों का जवाब देते हुए हिजबुल्लाह के नेता हसन नसराल्ला ने भी धमकी दीरू ध्वाज 99 दिनों के बाद भी हम युद्ध के लिए तैयार हैं। हम युद्ध से नहीं डरते। इस सबसे नेतन्याहू जरा भी चिंतित नहीं हैं। वे घरेलू मोर्चे पर नाकामबियों के वावजूद अडिग हैं। वे युद्ध के घोषित लक्ष्यों दृ हमास को तबाह करने और बंधकों को मुक्त कराने दृ को अभी तक हासिल नहीं कर पाए हैं।

श्रीराम की जीवनधारा किसी को किनारे छोड़कर आगे नहीं बढ़ती

श्रीराम मंदिर निर्माण के कारण हो रहे मंगलमय परिवर्तन का सर्वत्र अनुभव किया जाने लगा है। श्रीराम की चेतना के कारण मानवता के विकास की दिशा स्पष्ट हो रही हैं। भारत की चिरगरिमा प्रतिष्ठा पा रही है। भारत अपनी विसंगतियों को दूर करने की दिशा में प्रवृत्त हो रहा है।भारत के राम भारत राष्ट्र के हृदय की धड़कन हैं। राम राष्ट्र हैं। वे भारत राष्ट्र की पहचान हैं। राम का नाम लेकर यहां का वासी अपनी जिंदगी की घड़ियां गुजारता है। राम उसके भगवान हैं मर्यादा पुरुष भी। राम स्वयं काल हैं, वे काल सत्य हैं। वे खण्डित नहीं, अखण्ड हैं। उन्हें काल खण्डों में नहीं बांटा जा सकता। श्रीराम भारत राष्ट्र की शक्ति हैं। वे राष्ट्रीय ऊर्जा से स्रोत हैं। वे राष्ट्र के शरीर भी हैं और मन भी। ईश्वरीय सत्ता श्रीराम का शरीर धारण करके भारत भूमि पर उतरी थी। वे संपूर्ण मानवीय चेतना और संवेदना का पुंज थे। श्रीराम ने मनुष्य को मनुष्य का आचरण बताया था। मनुष्य को उत्कर्ष और उत्सर्ग की कला सिखायी थी। राम का जीवन आदि, मध्य और अन्त की कथा नहीं है। वह सनातन हैं, निरन्तर हैं, नित्य हैं, नूतन हैं। सार्वकालिक और सार्वभौमिक हैं। श्रीराम के चरित्र के साथ ही मानव समाज के लिए उदात्त मानवीय आदर्शों का प्रणेता उपस्थित होता है। श्रीराम, जो राजतंत्र को लोकतंत्र का स्वरूप प्रदान करते हैं, विवश और संकटग्रस्त होकर भी कभी नहीं टूटते हैं, स्वयं शोषित रहकर जन–जन को परिपोषित करते हैं, विपरीत परिस्थितियों में भी निष्ठा, उदारता, सरलता, सहिष्णुता से विचलित नहीं होते हैं, वे ही भारतीय चिन्तन में मानवीय अवधारणा के प्रतिरूप हैं। इस देश को प्रेरणा के लिए चाहिए प्रकाश पुंज साक्षात उदाहरण, कोई ऐसा ज्वलंत जीवन जो देशवासियों का केंद्रबिंदु हो। भारत के पास यह ज्वलंत जीवन है। उसके पास उसका राम है। यहां की जनता अपने राम से जुड़ रही है। वह अपने देश की राजनीति को राम केंद्रित बना रही है कि कोई व्यक्ति या दल देश के शासन तंत्र का उपयोग और संचालन अपने लिए नहीं, सबके सुख, सबकी समृद्धि और सबकी निरामयता के लिए करे। श्रीराम भारत के प्रकाश हैं और भारत विश्व का प्राणाधार। राम, भारत और विश्व का अन्योन्याश्रित संबंध है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और सृष्टि का प्रत्येक अंश राम का अंश है। रामांश होने का अर्थ है जीवन की अनगढ़ता का अंत और अनगढ़ कृत्यों के अपराध से मुक्ति। अनगढ़ अर्थात् असंस्कृत कृत्यों के अपराध से मुक्ति अर्थात् मंगलमय जीवन का प्रारंभ। यह मंगलमयता व्यक्ति को समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ एकात्म करती है। मंगलमयता ही परिवर्तन का बीज है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि विभेदकारी राजनीति द्वारा क्षतिग्रस्त भारतीय समाज की संरचना दिन–प्रतिदिन बिखरती गई। श्रीराम से जुड़कर उसे एक बार फिर एकात्मबोध को संदेश मिला है। श्रीराम भारतीय सामाजिक संरचना के संवेदनशील तंतु और तत्व ही नहीं हैं, वे राष्ट्रीय अखण्डता की आधारभूमि भी हैं। श्रीराम परिवर्तन का नाम है। संबंधों और संबोधनों तक में परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। भाषा और भावनाएं परिवर्तित हो रही हैं। परिवार, व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की धारणा और अवधारणा भी बदल रही है। जो लोग देशद्रकृशा का दर्शन केवल समाचार पत्रों या न्यूज चौनल के समाचारों और शीर्षकों से करते हैं वे निराश हैं, किंतु जो देश की धरती पर लिखे जा रहे इतिहास के संदेश और सामचार से जुड़े हैं वे आशान्वित हैं। वे उज्ज्वल भविष्य का दर्शन कर रहे हैं।

समाचार पत्रों, न्यूज चौनलों, गोष्ठियों और डिबेट में जिस तरह की चर्चा होती है वह असली भारत नहीं है। वह भारत का यथार्थ भी नहीं है। वे सभी वास्तविकता से कटे हुए है। संदर्भहीन हैं। असली भारत देशवासियों के मन में, खेत खलिहानों में, कर्मरत किसानों में, युवकों के अंतःकरण में स्फुरित हो रही आस्था में अपना नवीन रूपाकार ग्रहण कर रहा है। विकृत बुद्धि वाले लोग परेशान ही इस कारण से है कि उनके थोथे चने का बजना बंद हो रहा है। ये जितना अधिक जोर से चीखेंगे, उनकी आवाज जितनी अधिक ऊंची होती जाएगी, श्रीराम के भारत के उदय की संभावना उतनी ही सबल और उतनी ही समीप आती जाएगी। श्रीराम मंदिर निर्माण के कारण हो रहे मंगलमय परिवर्तन का सर्वत्र अनुभव किया जाने लगा है। श्रीराम की चेतना के कारण मानवता के विकास की दिशा स्पष्ट हो रही हैं। भारत की चिरगरिमा प्रतिष्ठा पा रही है। भारत अपनी विसंगतियों को दूर करने की दिशा में प्रवृत्त हो रहा है। भारत की राष्ट्रीय अस्मिता वास्तविक रूप में अभिव्यक्त होने को है। जो लोग श्रीराम को स्वीकार नहीं करते वे सीधे और स्पष्ट शब्दों में उन्हें नकार भी नहीं पा रहे हैं। समस्त विश्व को प्रभावित करने में श्रीराम मंदिर की महान् भूमिका का महत्व मौनभाव से ही सही, स्वीकार किया जाने लगा है। श्रीराम के भाव और कर्मतंतु से जुड़े इस देश में अब सब कुछ बदलने की स्थिति में है। परिवर्तन शिशु के जन्म के पूर्व की सुखद पीड़ा आरंभ हो चुकी है। 22 जनवरी को भरी दुपहरी में यह परिवर्तन श्रीराम की तरह संपूर्ण भारत भूमि और देशवासियों के मन में जन्म लेगा और सब कुछ बदला–बदला सा नहीं, बदला हुआ होगा। यह आश्वासन मेरा नहीं, अपने देश के तपस्वी और त्रिकालदर्शी सिद्ध पुरुषों का है। हम, हमारा समाज और राष्ट्र परेशान क्यों हैं? केवल इसलिए कि व्यक्ति समाज और राष्ट्र जीवन का उलझा हुआ संबंध अभी तक सुलझ नहीं पाया, उसे व्यवस्थित नहीं किया गया, उसे व्यवस्थित नहीं किया जा सका। विकास की दिशा निश्चित नहीं की जा सकी। श्रीराम आज व्यक्ति समाज और राष्ट्र के जीवन चरित्र के रूप में एक बार सबके सामने खड़े हैं। विकास की अपराधी अवधारणा की कलई खुलने लगी है और उलझा संबंध अब सुलझने सुधरने लगा है। गत 76 वर्षों में यह प्रथम बार हुआ है कि सत्तातंत्र और राजनीति अर्थतंत्र की जमीन से आस्था की भूमि की ओर मुड़ रही है। अर्थतंत्र में उलझी राजनीति श्रीराम की जनआस्था पर आरुढ़ होकर चिरगुलामी और गुलामी के प्रतीकों से मुक्त हो रही है। अर्थतंत्र ने ही इस देश को मुगलों और अंग्रेजों की गुलामी में जकड़कर उनकी सत्ता की स्थापना की थी। मुगलों की विलासिता और अंग्रेजों की लूट ने देश को कंगाल और कमजोर किया। भारत की राजनीतिक दासता का दोषी अर्थतंत्र है। जो लोग पैसे को ही परमेश्वर मानते हैं, उनके ही आश्रम में कांग्रेस कल्चर का विकास हुआ है। देश की राजनीति का अर्थ से आस्था की ओर मुड़ना एक शुभ संकेत है। अर्थ दासता, लोभजनित कुण्ठा और क्रूरता को जन्म देता है, उसका आयाम बहुत सीमित है। आस्था का आयाम बहुत बड़ा और बहुत व्यापक है। आस्था का तप–त्याग, सेवा–समर्पण, मैत्री और बंधुता को बोध है। सम्मान को अक्षुण्ण रखते हुए ही आगे बढ़ती है।

बिन सत्ता के नेता कैसे रहे कांग्रेस में ?

अजीत द्विवेदी

जब भी कांग्रेस का कोई नेता पार्टी छोड़ता है तो उसे नए और पुराने की बाइनरी में देखा जाता है। इसके अलावा दूसरे पहलुओं पर देखने की जहमत नहीं उठाई जाती है। पीढ़ियों के संघर्ष की बाइनरी चूंकि बहुत सुविधाजनक है इसलिए इस पहलू से देख कर मामले को हर बार रफा–दफा कर दिया जाता है। इसमें एक फायदा यह भी है कि इस पहलू से देखने पर राहुल गांधी के ऊपर निशाना साधना आसान हो जाता है, जो भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के बहुत अनुकूल होता है। ऐसे नेता, जिनका कांग्रेस से मोहभंग नहीं हुआ है या वैचारिक–राजनीतिक कारणों से भाजपा में नहीं जाना चाहते हैं, लेकिन राहुल गांधी को पसंद नहीं करते हैं या उनको लगता है कि उनका राजनीतिक करियर राहुल की वजह से खत्म हो रहा है वे कांग्रेस की कमजोरी या किसी नेता के पार्टी छोडने की घटना को नए और पुराने के परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित करते हैं और मीडिया व सोशल मीडिया को राहुल पर हमला करने का मौका मुहैया कराते हैं।

तभी जब मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़ी तो निशाने पर राहुल गांधी आए। समूचा सोशल मीडिया ऐसी पोस्ट से भरा है, जिसमें राहुल पर हमला किया गया है। एक पुरानी तस्वीर शेयर की जा रही हैं, जिसमें मिलिंद देवड़ा के साथ जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और सचिन पायलट खड़े हैं। इनमें से पायलट के अलावा बाकी चार कांग्रेस छोड़ चुके हैं। तीन अभी भाजपा के साथ हैं और मिलिंद देवड़ा भाजपा की सहयोगी शिव सेना में शामिल हुए हैं। सचिन पायलट ने भी बगावत कर दी थी लेकिन उनको सिंधिया की तरह कामयाबी नहीं मिली तो वे कांग्रेस में ही रह गए और अब उसी में अपनी जगह तलाश रहे हैं। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी की गलती थी कि उन्होंने ऐसे युवाओं को आगे बढ़ाया और उन्हें केंद्र में मंत्री बनवाया। तथ्यात्मक रूप से यह सही है कि राहुल की तरह ही ये सभी युवराज थे और इनको बहुत कम उम्र में केंद्र में मंत्री बना दिया गया था। लेकिन इन तथ्यों की अभी जो व्याख्या हो रही है वह व्याख्या 2009 में नहीं हो रही थी। तब इसे राहुल गांधी का मास्टरस्ट्रोक कहा जा रहा था

कि उन्होंने चुपचाप कांग्रेस के अंदर नेताओं की दूसरी लाइन तैयार कर दी। इसके लिए राहुल गांधी की तारीफ हो रही थी कि उन्होंने नए और युवा नेताओं को आगे किया है।

अलग अलग समय की कसौटी पर दोनों व्याख्याएं सही प्रतीत होंगी। लेकिन उस समय जो मास्टरस्ट्रोक था आज वह ऐतिहासिक भूल है। सर्वकालिक सही साबित होने वाले फैसले आमतौर पर राजनीति में कम होते हैं और व्यक्तियों के मामले में तो और भी कम होते हैं। बहरहाल, अगर कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोडने के घटनाक्रम को नए और पुराने की बाइनरी में देखेंगे तो सवाल उठेगा कि अगर पार्टी के भीतर नए और पुराने का विवाद चल रहा है और राहुल गांधी पुराने नेताओं को किनारे कर रहे हैं तो फिर नए नेताओं के पार्टी छोडने की बात को कैसे जस्टिफाई करेंगे? दूसरी ओर अगर यह कहा जाता है कि पुराने नेताओं ने पार्टी पर कब्जा रखा है, जिससे नए नेताओं को अवसर नहीं मिल रहा है तो फिर पुराने नेताओं के पार्टी छोडने का क्या तर्क होगा? ध्यान रहे पार्टी छोडने वालों में अगर ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह और मिलिंद देवड़ा जैसे नए नेता हैं तो कैप्टेन अमरिंदर सिंह, गुलाम नबी आजाद, सुनील जाखड़ जैसे पुराने नेता भी हैं। इसलिए यह सिर्फ नए और पुराने का संघर्ष या पार्टी के आंतरिक मतभेद का मामला नहीं है। ये सिर्फ सतह पर दिखने वाली चीजें हैं। असली कारण कुछ और है।असल में कांग्रेस को एकजुट रखने और नेताओं को जोड़े रखने वाली सत्ता की गोंद सूख रही है। कांग्रेस इससे पहले कभी लगातार 10 साल तक केंद्र की सत्ता से बाहर नहीं रही और न राज्यों की सत्ता से इतने लंबे समय तक बेदखल रही है। इसका नतीजा यह हुआ है कि नेताओं का धैर्य खत्म हो रहा है। कांग्रेस को न विपक्ष में रहने की आदत है और न विपक्ष की राजनीति करने का तरीका आता है। कांग्रेस छोड़ कर तृणमूल कांग्रेस में जाने से कई साल पहले सुष्मिता देब ने एक दिन कहा था कि कांग्रेस सत्ता में रहती है या सत्ता के इंतजार में रहती है। चूंकि इस बार सत्ता का इंतजार लंबा हो गया इसलिए कांग्रेस के नेताओं का धीरज खत्म हो गया। पहले पांच साल तक तो कांग्रेस नेता सहज रूप से विपक्ष में रहे और इंतजार करते रहे कि अगली बार अपने आप सत्ता में आ जाएंगे। जब दूसरी बार भी कांग्रेस बुरी तरह से हारी तब नेताओं की उम्मीदें टूटने लगीं और वे दूसरी तरफ संभावना तलाशने लगे। अभी स्थिति यह है कि लगातार तीसरे चुनाव में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावना नहीं दिख रही है और ऊपर से हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में कांग्रेस चुनाव हार गई। अगर वहां भी जीती होती तो कुछ हासिल होने की उम्मीद में नेताओं का पलायन रुका रह सकता था।दूसरा अहम कारण वैचारिक क्षरण है। राहुल गांधी देश की मौजूदा राजनीति को विचारधारा की लड़ाई के तौर पर परिभाषित करते हैं। वे बार बार कहते हैं कि भाजपा और आरएसएस के खिलाफ वे विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे हैं। वे नफरत की विचारधारा के खिलाफ मोहब्बत की दुकान लगाने की बात करते हैं। लेकिन असलियत यह है कि कांग्रेस अपना मध्यमार्ग और समावेशी राजनीति का रास्ता छोड़ कर भाजपा के बरक्स दूसरे किस्म की कट्टरपंथी राजनीति में उतर गई है। कई नेताओं ने यह बात अलग अलग तरीके से कही है कि कांग्रेस को गैर सरकारी संगठनों यानी एनजीओ की तरह या जेएनयू के छात्र संगठन की तरह राजनीति नहीं करनी चाहिए। उस तरह की राजनीति थोड़े समय के लिए युवाओं को आकर्षित तो करती है लेकिन चुनाव में सफल नहीं हो पाती है। कांग्रेस एक समय हर तरह की विचारधारा को साथ लेकर चलने वाली पार्टी थी। वह पहले भी भाजपा का विरोध करती थी लेकिन वह वैयक्तिक और एकपक्षीय नहीं था। हालांकि पहले भी विचारधारा कभी भी कांग्रेस को बांधे रखने वाली गोंद नहीं रही है, जैसा कि भाजपा और वामपंथी पार्टियों में है। फिर भी कांग्रेस में जब हर विचार के लोगों के लिए जगह थी और उनकी बात सुनी जाती थी तब फिर भी साथ चलते रहने की गुंजाइश होती थी। अब वह गुंजाइश कम होती जा रही है। हालांकि कांग्रेस से अलग होकर जो लोग भाजपा में जा रहे हैं वहां अलग विचार रखने की तो और भी गुंजाइश नहीं है लेकिन वहां सत्ता का चुम्बक है, जो उनको खींच रहा है।

तीसरा कारण यह है कि कांग्रेस की अपनी राजनीति में बहुत स्पष्टता नहीं है। भाजपा पर नफरत फैलाने के आरोप लगाने और उसकी आलोचना करने के अलावा कांग्रेस की कोई स्पष्ट राजनीतिक दृष्टि नहीं दिखाई देती है। कूटनीति से लेकर आर्थिकी तक कोई वैकल्पिक विचार कांग्रेस ने पेश नहीं किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी आज जिन आर्थिक नीतियों का विरोध कर रहे हैं वो नीतियां कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार की नीतियों से कैसे अलग हैं। चौथा कारण संगठन की कमजोरी है, जो एक एक करके नेताओं के निधन या संन्यास या उनके पलायन के कारण आई है। उसका कांग्रेस के पास कोई समाधान नहीं है। उसके पास न भाजपा के जैसा अनुशासित और बड़ा संगठन है और न आरएसएस के जैसी कोई ताकत है, जो सबको बांधे रहे। इसलिए नेताओं के अंदर कांग्रेस का समय लौटने का भरोसा कम होता जा रहा है।

सोशल मीडिया में जजों की ट्रोलिंग और कुछ नैतिक सवाल

बात अब मीडिया ट्रायल और अदालती फैसलों की आलोचना से कहीं आगे फैसले देने वाले जजों की ट्रोलिंग तक आन पहुंची है। यही कारण है कि हाल में भोपाल में आयोजित दसवें मप्र न्यायाधीश सम्मेलन में जिला न्यायालयों के जजों ने यह मुद्दा जोर शोर से उठाया और वरिष्ठ जजों से मार्गदर्शन मांगा कि न्यायाधीशों की ट्रोलिंग पर उन्हें क्या करना चाहिए? सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों की ट्रोलिंग भी अदालती अवमानना हो सकती है या नहीं? सोशल मीडिया पर किसी खास वैचारिक एजेंडे अथवा पूर्वाग्रह दुराग्रह के चलते गढ़े जाने वाले नरेटिव, न्यूसेंस और जजों की व्यक्तिगत आलोचना को किस रूप में लिया जाना चाहिए? क्योंकि भारत में सोशल मीडिया की नकेल कसने के लिए बहुत कड़े कानून नहीं है। ऐसे कानून बन भी जाएं तो फिर व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का क्या होगा? वैसे भी कई लोगों का मानना है कि सोशल मीडिया दरअसल जनता की आवाज है। लाख आलोचना के बावजूद इसे दबाया नहीं जा सकता।

सम्मेलन में शामिल देश के सुप्रीम कोर्ट के ज्यादातर न्यायाधीशों की राय यही थी कि जजों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के मामलो को फिलहाल इग्नोर (अनदेखा) करना ही बेहतर है। भाव यही कि ऐसे तत्वों के मुंह लगने से कोई फायदा नहीं है। हालांकि यह उत्तर भी कई सवालों से भरा है। यूं न्यायपालिका के सामने नई चुनौती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) की भी है, लेकिन उसका मामला थोड़ा अलग है।

न्यायाधीशों पर सोशल मीडिया के हमलों का मामला ज्यादा संवेदनशील इसलिए है क्योंकि अदालती फैसले समाज में न्याय की रक्षा का काम करते हैं। इसी से समाज को संचालित करने का दिशानिर्देश और सुसूत्रता भी मिलती है। अदालती फैसले हमेशा निष्पक्ष और न्यायसंगत प्रतीत हों, ऐसा जरूरी नहीं है, लेकिन उन फैसलों की आलोचना तार्किक और कानूनी आधार पर ही की जा सकती है। लेकिन जब ऐसे फैसलों के पीछे न्यायाधीश के विवेक, न्यायिकता अथवा पूर्वाग्रह को लेकर सवाल उठाए जाने लगें, उनकी भद्दे ढंग से ट्रोलिंग की जाए तो तब न्यायाधीशों का विचलित होना स्वाभाविक है। सम्मेलन में शामिल कई जजों ने कहा कि वर्तमान में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे कि वाट्सएप ग्रुप और फेसबुक पर हमारे विरुद्ध अमर्यादित बातें होती हैं। जिन्हें फैसला पसंद नहीं आता, वे भ्रम फैलाते हैं। भद्दे कमेंट करते हैं। क्या ऐसा करने वालों पर हम (न्यायाधीश) कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट (अदालत की अवमानना) की कार्रवाई कर सकते हैं?

इन सवालो के जवाब में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अभय एस ओक ने कहा कि न्यायाधीश सोशल मीडिया की ट्रोलिंग से न तो डरें और न ही किसी एजेंडे के तहत गढ़े जाने वाले नैरेटिव से प्रभावित हों। इसे सिर्फ इग्नोर करें, क्योंकि सोशल मीडिया की कोई अकाउंटेबिलिटी (जवाबदेही) नहीं है।

जस्टिस ओक ने बताया कि मुंबई में तो जजों को प्रभावित और परेशान करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल इतना बढ़ गया है कि कई जजों के खिलाफ ही पिटीशन दायर हो जाती है। इस सम्मेलन में यह बात साफ झलकी कि आज न्यायाधीश समुदाय अगर किसी बात से सर्वाधिक चिंतित है तो वो है, सोशल मीडिया। ऐसा मीडिया जिसके हजारों मुंह, आंखें और कान हैं लेकिन कहीं कोई रिमोट कंट्रोल नहीं है। और शायद मस्तिष्क भी नहीं है। इस मीडिया ने अब मानव जीवन में इतनी भीतर तक घुसपैठ कर ली है कि किसी का इससे बचना लगभग असंभव है। यदि कोई बचा हुआ भी है तो उस पर आदिम सभ्यता का होने का टैग लग सकता है।

यूं सोशल मीडिया पर जजों को लेकर अमर्यादित प्रतिक्रियाओं को लेकर पहले भी चिंता जाहिर की जाती रही है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शरद अरविंद बोबडे ने अपना पद ग्रहण करते हुए कहा था कि फिलहाल सुप्रीम कोर्ट सोशल मीडिया में अनियंत्रित आलोचना पर काबू करने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, श्हम इस तरह की मीडिया के लिए अभी कुछ भी नहीं कर सकते हैं। हम नहीं जानते हैं कि हमें क्या कदम उठाना है। वे न केवल लांछन लगा रहे हैं बल्कि लोगों और न्यायाधीशों की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर रहे हैं। ऊपर से यह शिकायत भी है कि बोलने की स्वतंत्रता नहीं है। उन्होंने कहा कि दरअसल फैसले की नहीं न्यायाधीश की आलोचना करना मानहानि है।

भारत एक असाधारण सफलता की कहानी, दावोस में अमेरिका ने ऐसे शान में पढ़े कसीदे

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की सराहना करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और भारत हमेशा बातचीत करते रहते हैं और इसमें लोकतंत्र और मौलिक अधिकारों सहित सभी पहलुओं को शामिल किया जाता है। भारत को असाधारण सफलता की कहानी बताते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियां और कार्यक्रम भारत के लोगों के लिए बहुत फायदेमंद रहे हैं। यहां विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2024 में बोलते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और मोदी के बीच उत्कृष्ट संबंध हैं और उनकी बातचीत में अमेरिका–भारत संबंधों सहित सभी पहलुओं को शामिल किया गया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की सराहना करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और भारत हमेशा बातचीत करते रहते हैं और इसमें लोकतंत्र और मौलिक अधिकारों सहित सभी पहलुओं को शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह हमारे बीच हमेशा होती रही बहुत सतत और वास्तविक बातचीत का हिस्सा है। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या मोदी शासन के तहत देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि और बुनियादी ढांचे के निर्माण के बावजूद हिंदू राष्ट्रवाद का उदय भारत को चिंतित करता है।

संगठन ने ऐसा क्या कर दिया जो इरान ने मिसाइल और ड्रोन से पाकिस्तान पर हमला कर दिया

हम आपको बता दें कि ईरान बार–बार कहता रहा है कि जैश–अल–अदल आतंकवादी समूह उसके सुरक्षाबलों पर हमले करने के लिए पाकिस्तान की भूमि का इस्तेमाल कर रहा है और बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर पंजगुर में इसके ठिकाने हैं। ईरान ने बलूचिस्तान प्रांत में एक सुन्नी आतंकी संगठन से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए तो पूरी दुनिया हैरान रह गयी और खुद पाकिस्तान में भी हड़कंप मच गया कि उसके रडारों को कैसे पता नहीं लग पाया कि ईरानी मिसाइलें आ रही हैं। पाकिस्तान हालांकि इस हमले का करारा जवाब देने की बात कह रहा है लेकिन उसके हालात देखकर लगता नहीं कि वह कागजी विरोध कार्रवाई के अलावा कुछ और कर पायेगा। जहां तक पाकिस्तान के सुन्नी आतंकी संगठन की बात है तो आपको बता दें कि ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहा, ष्पाकिस्तान में जैश–अल–धुल्म (जैश–अल–अदल) आतंकवादी समूह के दो प्रमुख ठिकानों को विशेष रूप से लक्षित किया गया और सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया गया।श्श पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने हालांकि हमले वाले स्थान का उल्लेख नहीं किया लेकिन संदेह है कि ये ठिकाने बलूचिस्तान प्रांत के पंजगुर में थे। पंजगुर में स्थानीय अधिकारी हमलों को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। कुछ लोगों ने माना कि मिसाइल हमलों में एक मस्जिद को भी निशाना बनाया गया जिससे इसे आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा और कुछ आम लोग घायल हो गए। हम आपको बता दें कि ईरान बार–बार कहता रहा है कि जैश–अल–अदल आतंकवादी समूह उसके सुरक्षाबलों पर हमले करने के लिए पाकिस्तान की भूमि का इस्तेमाल कर रहा है और बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर पंजगुर में इसके ठिकाने हैं। जैश अल–अदल या श्आर्मी ऑफ जस्टिसश् 2012 में स्थापित एक सुन्नी आतंकवादी समूह है जो पाकिस्तान में पैर जमाए हुए है। अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया निदेशालय के अनुसार, जैश–अल–अदल सिस्तान–बलूचिस्तान में ष्सबसे सक्रिय और प्रभावशालीष् सुन्नी आतंकवादी समूह है। ईरान के गृह मंत्री अहमद वाहिदी के अनुसार, पिछले महीने, दक्षिण पूर्वी प्रांत सिस्तान–बलूचिस्तान में एक थाने पर रात में हुए हमले में कम से कम 11 ईरानी पुलिस अधिकारी मारे गए थे। उन्होंने इस घटना के लिए जैश अल–अदल को जिम्मेदार बताया था। इसके अलावा उन्होंने दावा किया था कि जैश के आतंकवादी पंजगुर के पास पाकिस्तान की ओर से सिस्तान में दाखिल हुए थे। देखा जाये तो ईरान ने सीमावर्ती इलाकों में आतंकवादियों के खिलाफ तो हमेशा लड़ाई लड़ी है, लेकिन पाकिस्तान पर ईरान का मिसाइल और ड्रोन हमला अभूतपूर्व है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि 3 जनवरी को ईरान के करमन शहर में दोहरे आत्मघाती बम विस्फोट हुए थे जिसमें 80 से अधिक ईरानी मारे गए थे। उस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। मगर ईरान मानता है कि हमलों के पीछे जैश अल–अदल का भी हाथ है इसलिए उसने इसके ठिकानों पर हमला बोला।

सऊदी अरब की चेतावनी, संघर्ष पूरे क्षेत्र में फैल सकता है

सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने दोहराया कि संघर्ष पर किसी समाधान तक पहुंचने के लिए गाजा में संघर्ष विराम की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शत्रुता की समाप्ति के दौरान, अंतरराष्ट्रीय शक्तियों को लाल सागर में हूती समूह के शिपिंग हमलों को भी समाप्त करने के लिए कूटनीति का उपयोग करना चाहिए। सऊदी अरब ने कहा कि वो इजराइल–हमास युद्ध के बीच मध्य पूर्व सुरक्षा के बारे में अविश्वसनीय रूप से चिंतित है। उसे लगता है कि संघर्ष पूरे क्षेत्र में फैल सकता है। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने दोहराया कि संघर्ष पर किसी समाधान तक पहुंचने के लिए गाजा में संघर्ष विराम की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शत्रुता की समाप्ति के दौरान, अंतरराष्ट्रीय शक्तियों को लाल सागर में हूती समूह के शिपिंग हमलों को भी समाप्त करने के लिए कूटनीति का उपयोग करना चाहिए। इसे भी पढ़ेंरू इजरायल के बाद अब दोस्त रूस ने कर दिया बड़ा ऐलान, इस ज्वाइंट वेंचर से मालदीव और चीन दोनों हो जाएंगे परेशान दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में उन्होंने कहा कि हम क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए अविश्वसनीय रूप से चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि लाल सागर में नेविगेशन की स्वतंत्रता हम सभी को प्रभावित करती है। हमारा मानना घ्है कि प्राथमिकता में कमी लाने की जरूरत है। लाल सागर और पूरे क्षेत्र में कमी लाना। इसका एक हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि हम सभी हितधारकों के साथ जुड़ें। नवंबर के मध्य से लाल सागर हौथी हमलों से बाधित हो गया है क्योंकि यमनी समूह ने मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं और जहाजों पर कब्जा करने की कोशिश की है, जिनके बारे में उनका कहना है कि ये हमास और फिलिस्तीनियों के समर्थन में हैं। पिछले हफ्ते, अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हौथी हमलों को रोकने के लिए समूह द्वारा इस्तेमाल किए गए लक्ष्यों पर मिसाइलें लॉन्च कीं। लेकिन ईरान समर्थित समूह ने कहा कि वह तब तक अपनी आक्रामकता बढ़ाएगा जब तक कि इजराइल गाजा से बाहर नहीं निकल जाता क्योंकि उन्होंने ग्रीक स्वामित्व वाले थोक वाहक को टक्कर मार दी थी।

रिपब्लिकन डिबेट हुई कैंसिल, निक्की हेली की दो टूक– केवल तभी लेंगी हिस्सा जब ट्रंप...

हेली ने न्यू हैम्पशायर में प्रचार के दौरान जारी एक बयान में कहा कि इस अभियान में हमने पांच बड़ी बहसें की हैं। दुर्भाग्य से डोनाल्ड ट्रम्प ने उन सभी को चकमा दे दिया है। उसके पास छिपने के लिए कोई जगह नहीं बची है. मैं जो अगली बहस करूंगा वह या तो डोनाल्ड ट्रंप के साथ होगी या जो बिडेन के साथ होगी। मुझे इसकी आशा है। निक्की हेली ने कहा कि वो अगली रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की बहस में तब तक भाग नहीं लेंगी जब तक कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इसमें भाग नहीं लेते, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस गुरुवार के कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध एकमात्र उम्मीदवार हैं। हेली ने न्यू हैम्पशायर में प्रचार के दौरान जारी एक बयान में कहा कि इस अभियान में हमने पांच बड़ी बहसें की हैं। दुर्भाग्य से डोनाल्ड ट्रम्प ने उन सभी को चकमा दे दिया है। उसके पास छिपने के लिए कोई जगह नहीं बची है. मैं जो अगली बहस करूंगा वह या तो डोनाल्ड ट्रंप के साथ होगी या जो बिडेन के साथ होगी। मुझे इसकी आशा है। उनका बयान सभी महत्वपूर्ण आयोवा कॉकस के एक दिन बाद जारी किया गया था, जिसमें ट्रम्प ने हेली और डेसेंटिस दोनों पर व्यापक अंतर से जीत दर्ज की थी। आयोवा में दूसरे स्थान के लिए दोनों के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा चल रही थी, ऐसे में हेली ने अपने चुनावी तर्क को डेसेंटिस की तुलना में ट्रम्प के बारे में अधिक बताने की कोशिश की, बार–बार अपनी बात दोहराते हुए कहा कि उनकी उम्मीदवारी उस अराजकता से एक बदलाव का संकेत देती है जो जीओपी के फ्रंट–रनर के पीछे है। यह कदम पिछली बहस का परिणाम भी हो सकता है जिसमें केवल हेली और डेसेंटिस शामिल थे, जिसमें हेली ने उम्मीद के मुताबिक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था और अंततः डेसेंटिस ने उसे आयोवा में दूसरे स्थान के लिए हरा दिया।

हेली ने कॉकसगोअर्स को तर्क दिया था कि उन्हें चुनने से रिपब्लिकन को नवंबर में बिडेन को हराने का बेहतर मौका मिलता है, सर्वेक्षण के आंकड़ों की ओर इशारा करते हुए कि उन्हें सैद्धांतिक आम चुनाव मैच में जीओपी क्षेत्र में सबसे बड़ी बढ़त के साथ दिखाया गया है। एक्स पर डेसेंटिस ने कहा कि हेली बहस करने से डरती है क्योंकि वह

कठिन सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है। उन्होंने उन पर ट्रम्प के उपराष्ट्रपति बनने की दौड़ का आरोप लगाया और कहा कि वह इस सप्ताह ग्रेनाइट राज्य में दो खाली मंचों पर बहस करने के लिए उत्सुक हैं।

जासूसी नेटवर्क को फिर से मजबूत करने में लगा चीन, कार्टून के सहारे लोगों को इससे जोड़ने की कोशिश

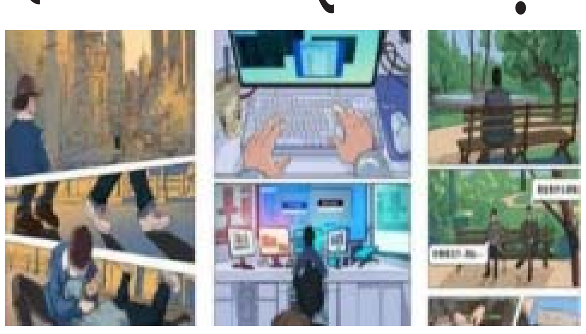

7 जनवरी को चीन के एमएसएस द्वारा जारी की गई पहली किस्त में चीन के काउंटर–जासूसी कानून का उल्लंघन करने के संदेह में एक विदेशी दिखने वाले व्यक्ति को पकड़ने और पूछताछ को दर्शाया गया है। मंत्रालय के अनुसार, कॉमिक कथानक जिशान खनन क्षेत्र में सामने आता है, जो वास्तविक जासूसी मामलों से प्रेरित है। हर जगह घूम रहे कथित विदेशी जासूसों की चिंताओं के बीच चीन अपने जासूसी नेटवर्क को फिर से मजबूत कर रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी, राज्य सुरक्षा मंत्रालय, देश की पूरी आबादी को जासूसों की तलाश में रखना चाहती है। साथ ही एक असामान्य जन जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया है और शेनयिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन स्क्वाड नामक एक ऑनलाइन कॉमिक स्ट्रिप लॉन्च की गई है। इस कदम से लोगों के जुड़ने की उम्मीद है। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि चीन की प्रतिक्रिया वास्तविक सतर्कता की तुलना में व्यामोह से अधिक प्रेरित है। 7 जनवरी को चीन के एमएसएस द्वारा जारी की गई पहली किस्त में चीन के काउंटर–जासूसी कानून का उल्लंघन करने के संदेह में एक विदेशी दिखने वाले व्यक्ति को पकड़ने और पूछताछ को दर्शाया गया है। मंत्रालय के अनुसार, कॉमिक कथानक जिशान खनन क्षेत्र में सामने आता है, जो वास्तविक जासूसी मामलों से प्रेरित है। कॉमिक में बबल टी के शौकीन तकनीकी उत्साही ए जेह और मार्शल आर्ट में कुशल लंबे बालों वाले पुलिस अधिकारी डैन डैन जैसे पात्रों का परिचय दिया गया है। इसमें लाओ टैन भी है, जो अनिर्दिष्ट लेकिन संभवतः अद्वितीय कौशल वाला एक अनुभवी एजेंट है। पात्रों को युवा दर्शकों को शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो देश के युवाओं के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के एमएसएस के प्रयास को उजागर करता है। एमएसएस कड़ी सुरक्षा की धारणा को सुदृढ़ करना चाहता है, ऐसे प्रचार प्रयासों को अक्सर उदासीनता या उपहास का सामना करना पड़ता है। ऐसे तर्क हैं कि पूर्वानुमानित विषय और सूक्ष्मता की कमी इच्छित दर्शकों पर प्रभाव को कम कर रही है। कॉमिक स्ट्रिप सरकार की इस कहानी में योगदान देती है कि चीनी नागरिकों और विदेशियों के बीच किसी भी बातचीत को संदेह की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। चीन की सरकार ने अपने जासूसी विरोधी रुख को बढ़ाते हुए, पिछले साल काउंटर–जासूसी कानून का विस्तार किया, जिसमें स्पष्ट परिभाषा के बिना सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से संबंधित जानकारी के हस्तांतरण पर रोक लगा दी गई। इस कानूनी अस्पष्टता ने कारोबारी माहौल को प्रभावित किया है, चीन में यूरोपीय चौंबर ऑफ कॉमर्स ने इसे अपने सदस्यों के बीच विश्वास कम होने के मुख्य कारणों में से एक बताया है। जासूसी से निपटने के लिए, चीनी अधिकारियों ने नागरिकों को संदेह की रिपोर्ट करने के लिए 2015 में एक हॉटलाइन स्थापित की। स्थानीय सरकारें जासूसी युक्तियों के लिए पर्याप्त पुरस्कार प्रदान करती हैं, जिससे सतर्कता में वृद्धि के अनुकूल वातावरण में योगदान होता है। जागरूकता बढ़ाने के लिए वार्षिक राष्ट्रीय सुरक्षा शिक्षा दिवस की स्थापना की गई थी। शेनयिन विशेष जांच दस्ते की कॉमिक का विमोचन 10 जनवरी को पुलिस दिवस के साथ हुआ। जबकि कुछ लोग कॉमिक को प्रचार के एक मूल्यवान टुकड़े के रूप में देखते हैं राष्ट्रवादी टिप्पणीकार हू जिजिन ने यह कहते हुए बहुत दूर जाने के प्रति आगाह किया है कि यह चीन को दुनिया से अलग–थलग कर सकता है।

जन्म दर बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद चीन की जनसंख्या में दूसरे साल भी आई गिरावट, ड्रैगन को सता रहा आर्थिक विकास के स्लो होने का डर

एनबीएस ने बुधवार को कहा कि 2023 के अंत तक, राष्ट्रीय जनसंख्या 1,409.67 मिलियन थी...2022 के अंत की तुलना में 2.08 मिलियन की कमी। चीन ने दशकों तक लगातार जनसंख्या वृद्धि देखी। 2022 में 850,000 लोगों को खो दिया, जब 1960 के बाद पहली बार इसकी जनसंख्या कम हो गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि पिछले साल की गिरावट इससे काफी ऊपर थी। कम जन्म दर और कोविड–19 मौतों की लहर के कारण 2023 में चीन की जनसंख्या में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट आई, जैसा कि देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) के नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों से संकेत मिलता है। पिछले साल दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन भारत से आगे निकल गया। एनबीएस ने बुधवार को कहा कि 2023 के अंत तक, राष्ट्रीय जनसंख्या 1,409.67 मिलियन थी...2022 के अंत की तुलना में 2.08 मिलियन की कमी। चीन ने दशकों तक लगातार जनसंख्या वृद्धि देखी। 2022 में 850,000 लोगों को खो दिया, जब 1960 के बाद पहली बार इसकी जनसंख्या कम हो गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि पिछले साल की गिरावट इससे काफी ऊपर थी। सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा कि 2023 में जन्म दर 6.39 प्रति हजार के साथ 9.02 मिलियन थी, जो 2022 में 9.56 मिलियन जन्मों से कम है। पिछले साल जब चीन ने राष्ट्रव्यापी कोविड वृद्धि का अनुभव किया, तो कुल मौतें 6.6 प्रतिशत बढ़कर 11.1 मिलियन हो गईं, साथ ही मृत्यु दर सांस्कृतिक क्रांति के दौरान 1974 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि नए जन्म 5.7 प्रतिशत गिरकर 9.02 मिलियन हो गए और जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर 6.39 जन्मों की रिकॉर्ड निचली दर थी, जो 2022 में 6.77 जन्मों की दर से कम है। 1980 से 2015 तक लागू श्एक–बाल नीतिश् के परिणामस्वरूप देश में जन्म दर दशकों से गिर रही है। हालांकि, 2016 में, चीनी सरकार ने इस नीति को खत्म करने का फैसला किया और जोड़ों को तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति देना शुरू कर दिया। 2021. अधिकारियों ने तब एक–बाल नीति के कारण जनसांख्यिकीय गिरावट और उम्र बढ़ने वाली आबादी को उलटने के लिए

राष्ट्रपति चुनाव में लाई चिंग–ते की जीत भारत के लिए मजबूत संबंध बनाने का एक मौका

लाई चिंग–ते की जीत के बाद डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी को लगातार तीसरा कार्यकाल मिला है। अगले चार वर्षों तक डीपीपी और त्साई विरासत की निरंतरता बेहतर द्विपक्षीय संबंधों और अधिक व्यापार और वाणिज्यिक सहयोग के लिए अधिक राजनयिक अवसर प्रदान करती है। दुनिया की आधी से अधिक आबादी 2024 में अपने मताधिकार का प्रयोग करेगी, जिससे ये वैश्विक परिदृश्य के लिहाज से एक महत्वपूर्ण वर्ष है। ताइवान में चुनाव 13 जनवरी को समाप्त हो गए और इसके परिणाम के सीमाओं से परे भी गूंजने की उम्मीद है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एशियाई भू–राजनीतिक रंगमंच क्रांतिकारी विकास और परिवर्तनों का गवाह बनने के को तैयार है। ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में भारत इससे बेहतर नतीजे की उम्मीद नहीं कर सकता था। लाई चिंग–ते की जीत के बाद डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी को लगातार तीसरा कार्यकाल मिला है। अगले चार वर्षों तक डीपीपी और त्साई विरासत की निरंतरता बेहतर द्विपक्षीय संबंधों और अधिक व्यापार और वाणिज्यिक सहयोग के लिए अधिक राजनयिक अवसर प्रदान करती है।हाल के वर्षों में मुख्य रूप से भारतीय नागरिक समाज संगठनों के बीच ताइवान के लिए बढ़ते समर्थन के कारण भारत और ताइवान के बीच संबंधों को अभूतपूर्व गति मिली है। बदले में ताइवान अपनी सावधानीपूर्वक तैयार की गई नई साउथबाउंड नीति का लाभ उठाते हुए सक्रिय रूप से भारत तक पहुंच गया है। राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन ने 2016 में इस रणनीति की शुरुआत की, और यह भारत सहित संभावित सहयोगियों और भागीदारों के साथ अधिक जुड़ाव के लिए एक रोड मैप के रूप में कार्य करती है। भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो–पैसिफिक आउटरीच प्रयासों ने ताइवान को भारत के साथ अपने संबंधों को व्यापक और गहरा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। हालाँकि, यह विकास क्षेत्र में रणनीतिक, भू–राजनीतिक बदलावों से प्रभावित एक अपेक्षाकृत हालिया घटना है। जैसे–जैसे इंडो–पैसिफिक निर्माण मजबूत होता है। नई दिल्ली और ताइपे के बीच संबंध अधिक ठोस, संस्थागत रूप लेने के लिए तैयार हैं और उनके द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में सार्थक भूमिका निभा सकते हैं, जो 1995 में स्थापित हुए थे। भारत–ताइवान संबंधों पर चीन की मंडराती छाया एक महत्वपूर्ण अवधि तक भारत–ताइवान संबंधों पर चीन की छाया मंडराती रही। जबकि ताइवान ने राष्ट्रपति त्साई के कार्यकाल से पहले चीन के प्रति एक सौहार्दपूर्ण रुख बनाए रखा, चीन के साथ भारत के बहुमुखी संबंधों ने भी ताइपे के साथ संबंधों को मजबूत करने में बाधा उत्पन्न की। हालाँकि, भारत की क्षेत्रीय चिंताओं और क्षेत्रीय घुसपैठों, चाहे वह डोकलाम में हो या गलवान में, को संबोधित करने में चीन की अनिच्छा ने भारत को अपनी चीन नीति का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया, जिससे भारत–ताइवान संबंधों को लाभ हुआ। नरेंद्र मोदी सरकार के शुरुआती चरण के दौरान, ऐसे संकेत सामने आए कि भारत धीरे–धीरे ताइवान के प्रति अपनी झिझक को दूर कर रहा है,

और इसका कुलभूषण जाधव कनेक्शन क्या है, ईरान ने सुन्नी चरमपंथी समूह पर हमला कर लिया भारत का बदला ?

जैश अल अदल ने ही ईरान से भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव का अपहरण किया था। जैश अल अदल ने ही कुलभूषण जाधव को आईएसआई को सौंप दिया था। कुलभूषण जाधव को ईरान के चाबहार से ही किडनैप किया गया था। ईरान ने पाकिस्तान पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है। इस हमले में जैश अल अदल नामक आतंकी संगठन के दो ठिकानों को निशाना बनाया गया। पिछले महीने ही पाकिस्तान के आतंकवादी समूहों ने ईरान के सिस्तान–बलूचिस्तान के एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया था। इस हमले में 12 पुलिसकर्मी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने पाकिस्तान को अपनी सीमा में मौजूद आतंकवादियों को नियंत्रित करने की धमकी दी थी। ईरान–पाकिस्तान सीमा पर सक्रिय सुन्नी चरमपंथी समूह जैश–अल–अदल का प्रभाव इस क्षेत्र पर बना हुआ है। यहां इसकी जड़ों, गतिविधियों और इसमें चल रही भू–राजनीतिक सक्रियता और इसके कुलभूषण जाधव कनेक्शन के बारे में जानते हैं। जैश अल–अदल को अरबी में न्याय की सेना के रूप में अनुवादित किया जाता है, जिसे जुंदाल्लाह या ईश्वर के सैनिकों का उत्तराधिकारी माना जाता है। 2000 में इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ एक हिंसक विद्रोह को उकसाया, जिससे अशांत दक्षिणपूर्व में एक दशक तक विद्रोह चला। 2010 में स्थिति बदल गई जब ईरान ने जुंदाल्ला के नेता अब्दोलमलेक रिगी को मार डाला। विद्रोही समूह के लिए एक महत्वपूर्ण झटका था। जैश अल–अदल का गठन सीरिया में बशर अल–असद के लिए ईरान के समर्थन के मुखर विरोधी आतंकवादी सलाहुद्दीन फारूकी द्वारा 2012 में स्थापित जैश अल–अदल सिस्तान–बलूचिस्तान और पाकिस्तान में ठिकानों से संचालित होता है। समूह जातीय बलूच जनजातियों से समर्थन प्राप्त करता है, विशेष रूप से शिया–प्रभुत्व वाले ईरान में भेदभाव का सामना करने वाले अल्पसंख्यक सुन्नी मुसलमानों के असंतोष के रूप में देखा गया।

सुमित नागल ने विराट कोहली को दिया अपनी जीत का क्रेडिट, आस्ट्रेलियन ओपन में रचा था इतिहास

सुमित नागल ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टेनिस में नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में वर्ल्ड नंबर 27 अलेक्जेंडर बुब्लिक को माद देकर इतिहास रच दिया। सुमित नागल ने अपने जीत का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर स्टार विराट कोहली को दिया है। भारतीय टेनिस के स्टार खिलाड़ी सुमित नागल ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टेनिस में नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में वर्ल्ड नंबर 27 अलेक्जेंडर बुब्लिक को माद देकर इतिहास रच दिया। सुमित नागल ने अपने जीत का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर स्टार विराट कोहली को दिया है। सुमित ने सोनी स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनकी कभी कभी विराट कोहली से बात होती है। उन्होंने कहा कि उनके लिए एक कल्पना करना मुश्किल है कि अगर जरूरत के समय कोहली ने उनकी मदद नहीं की होती तो उनकी जिंदगी कैसी होती। सुमित नागल ने कहा कि, मैं कभी–कभी उनसे बात करता हैं। मैं उनकी फाउंडेशन का भी हिस्सा हूं। मैं उनकी तरफ से पिछले कई सालों से मिलने वाले सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आप जानते हैं किस भारतीय को क्रिकेट देखना पसंद नहीं होगा, मैं क्रिकेट को फॉलो करता हूं और जब भी मौका मिलता है तो जरूर देखता हूं। बता दें कि नागल विराट कोहली की फाउंडेशन का हिस्सा हैं और साल 2019 में उन्होंने अपने एक बयान में बताया था कि कैसे उनके कठिन समय में उन्हें सहायता मिली थी। उस समय नागल को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए इतने पैसे नहीं थे कि वो फ्लाइट टिकट तक बुक कर सकें। उन्होंने बताया कि विराट कोहली का फाउंडेशन 2017 से मेरा समर्थन कर रहा है। मैं पिछले दो सालों से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था और पैसों की कमी का सामना भी कर रहा था। अगर कोहली मेरा समर्थन नहीं करते तो मुझे नहीं पता मेरे पास क्या होता।

न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद शाहीन अफरीदी ने प्रेस कान्फ्रेंस में कही ये बात

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही है। पाकिस्तान 5 मैचों की सीरीज में शुरुआती तीन मुकाबलों में लगातार हार से सीरीज गंवा चुका है। अभी तक सिर्फ बाबर आजम ने प्रभावित किया है, उन्होंने लगातार 3 अर्धशतक जड़े हैं लेकिन उनके अलावा कोई अन्य चल नहीं पाया है। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही है। पाकिस्तान 5 मैचों की सीरीज में शुरुआती तीन मुकाबलों में लगातार हार से सीरीज गंवा चुका है। अभी तक सिर्फ बाबर आजम ने प्रभावित किया है, उन्होंने लगातार 3 अर्धशतक जड़े हैं लेकिन उनके अलावा कोई अन्य चल नहीं पाया है। वहीं शाहीन अफरीदी समेत गेंदबाज भी खूब रन लुटा रहे हैं। हार की हैट्रिक के बाद शाहीन अफरीदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ी बात ही है, उन्होंने साफ किया है कि अब कई प्लेयर्स को प्लेइंग 11 से बाहर करने का समय आ गया है और बेंच पर बैठे प्लेयर्स को मौका देना होगा। शाहीन अफरीदी ने चौथे टी20 मैच को लेकर कहा कि, कोशिश करेंगे कि क्या कॉम्बिनेशन के साथ खेल सकते हैं। क्राइस्टचर्च की पिच को फिर से देखेंगे। अब मौका देना होगा, क्योंकि नए प्लेयर और भी बैठे हुए हैं। अब अपना बेंच तो अपनाना पड़ेगा। जब हम इनको मौका देंगे तो इनके साथ हमारे पांच मैच पाकिस्तान में होने हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि वर्ल्ड कप से पहले वो एक टीम बने। हमारे 15 खिलाड़ी तैयार हों जो वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा हों। शाहीन की बात से साफ है कि पाकिस्तान टी में अब कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। न्यूजीलैंड से तीन मैचों में हार झेलने के बाद पीसीबी भी चिंतित होगा। इसी साल जून में टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन होना है। पाकिस्तान की स्ट्रेंथ उसकी गेंदबाजी है लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों मुकाबलों में पाकिस्तान का एक भी गेंदबाज कमाल नहीं दिखा पाया।

भारत–अफगानिस्तान तीसरे टी20 के लिए बेंगलुरु पुलिस की एडवाइजरी, ट्रैफिक नहीं बनेगी मुसीबत

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच आज शाम 7 बजे तीसरा टी20 मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने भीड़भाड़ से बचने और वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए एडवाइजरी जारी की है।भारत और अफगानिस्तान के बीच आज शान 7 बजे तीसरा टी20 मुकाबला खेला जाएगा। ये मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने भीड़भाड़ से बचने और वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए एडवाइजरी जारी की है। मंगलवार को पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि, 17 जनवरी को दोपहर 2 बजे से रात 11.30 बजे तक एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में तीसरे टी20 मुकाबले को देखते हुए ट्रैफिक से बचने के लिए खास इंतेजाम किए गए हैं। पुलिस ने स्टेडियम के आसपास वाहनों की पार्किंग को प्रतिबंधित करते हुए कहा है कि, सभी निम्नलिखित सड़कों पर सबी प्रकार के वाहनों की पार्किंग नहीं की जाएगी। वहीं एडवाइजरी में कहा गया है कि ये स्थान उपलब्धता पर निर्भर होंगे। पुलिस द्वारा दोहराया गया है कि, दर्शकों के अलावा अन्य सभी निवासियों से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम और उसके आसपास की सड़कों से बचने और वैकल्पिक सड़कों का इस्तेमाल करें।

टी 20 विश्व कप के लिए उपलब्ध रहने की उम्मीद

इंग्लैंड के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने बीबीसी के 'टेलेंडर्स पॉडकास्ट' पर कहा,''हमारी योजना उसे टी20 विश्व कप के लिए तैयार करना है। हम इसके लिए उसे धीरे–धीरे तैयार कर रहे हैं।'' इंग्लैंड को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट से उबरकर इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लैंड की 2019 में वनडे विश्व कप में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आर्चर ने पिछले साल मई से पेशेवर क्रिकेट में कोई मैच नहीं खेला है। दिसंबर में इंग्लैंड टीम के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्होंने हालांकि सीमित ओवरों की टीम के साथ अभ्यास किया था। इंग्लैंड के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने बीबीसी के 'टेलेंडर्स पॉडकास्ट' पर कहा,''हमारी योजना उसे टी20 विश्व कप के लिए तैयार करना है। हम इसके लिए उसे धीरे–धीरे तैयार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा,''मैंने उसे वेस्टइंडीज में गेंदबाजी करते हुए

देखा था और उसे देखकर लग रहा था जैसे वह खेल से बाहर ही ना रहा हो। मैं उसकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।'' आर्चर इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में भी नहीं खेल पाएंगे।

उनकी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने उन्हें 'रिलीज' कर दिया था।

जी 20 विश्व कप के लिए उपलब्ध रहने की उम्मीद

इंग्लैंड के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने बीबीसी के 'टेलेंडर्स पॉडकास्ट' पर कहा,''हमारी योजना उसे टी20 विश्व कप के लिए तैयार करना है। हम इसके लिए उसे धीरे–धीरे तैयार कर रहे हैं।'' इंग्लैंड को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट से उबरकर इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लैंड की 2019 में वनडे विश्व कप में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आर्चर ने पिछले साल मई से पेशेवर क्रिकेट में कोई मैच नहीं खेला है। दिसंबर में इंग्लैंड टीम के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्होंने हालांकि सीमित ओवरों की टीम के साथ अभ्यास किया था। इंग्लैंड के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने बीबीसी के 'टेलेंडर्स पॉडकास्ट' पर कहा,''हमारी योजना उसे टी20 विश्व कप के लिए तैयार करना है। हम इसके लिए उसे धीरे–धीरे तैयार कर रहे हैं।''उन्होंने कहा,''मैंने उसे वेस्टइंडीज में गेंदबाजी करते हुए देखा था और उसे देखकर लग रहा था जैसे वह खेल से बाहर ही ना रहा हो। मैं उसकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।'' आर्चर इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में भी नहीं खेल पाएंगे। उनकी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने उन्हें 'रिलीज' कर दिया था।

आईसीसी ने बांग्लादेश के क्रिकेटर नासिर हुसैन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया

नासिर हुसैन को अमीरात क्रिकेट बोर्ड कि भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तीन आरोपों को स्वीकार करने के बाद मंगलवार को दो साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया जिसे छह महीने का निलंबित प्रतिबंध भी शामिल है। बांग्लादेश के ऑलराउंडर नासिर हुसैन को अमीरात क्रिकेट बोर्ड कि भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तीन आरोपों को स्वीकार करने के बाद मंगलवार को दो साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया जिसे छह महीने का निलंबित प्रतिबंध भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड की संहिता के तहत नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी के रूप में हुसैन पर सितंबर 2023 में आरोप लगाए थे। इस क्रिकेटर ने इनमें से तीन आरोप स्वीकार किए थे। आईसीसी के अनुसार हुसैन ने उन्हें मिले उपहार का खुलासा नहीं किया था। इसके अलावा इस क्रिकेटर ने भ्रष्ट कार्यों में शामिल होने के लिए की गई पेशकश के बारे में भी भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी को जानकारी नहीं दी थी। यही नहीं उन्होंने जांच में सहयोग भी नहीं किया था। बयान के अनुसार इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने आरोपों को स्वीकार कर लिया है और प्रतिबंध पर अपनी सहमति जताई है। वह 7 अप्रैल 2025 के बाद क्रिकेट की गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। हुसैन पुणे डेविल्स फ्रेंचाइजी से जुड़े उन आठ लोगों में शामिल थे जिन पर 2020–21 में अबूधाबी टी10 में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। हुसैन ने बांग्लादेश की तरफ से 19 टेस्ट, 65 वनडे और 31 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने आखिरी बार 2018 में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया था।

टीम इंडिया को आगे की चुनौतियों के मद्देनजर तैयार करने के 'मेंटोर' बनना चाहते हैं युवराज

हमारे पास मैच होते हैं और खिलाड़ी जो दबाव में बल्लेबाजी कर सकें लेकिन पूरी टीम को ऐसा करना चाहिए, एक या दो खिलाड़ियों को नहीं। '' उन्होंने कहा, ''मैं मार्गदर्शन करना पसंद करूंगा। आगामी वर्षों में जब मेरे बच्चे बड़े हो जायेंगे, मैं क्रिकेट को वापस देना चाहूंगा और युवाओं को बेहतर होने में मदद करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हम बड़े टूर्नामेंट में काफी मानसिक चुनौतियों का सामना करते हैं। मेरा मानना है कि मानसिक पहलू में मैं भविष्य में इन खिलाड़ियों के साथ काम कर सकता हूं।

विराट कोहली और अनुष्का को मिला राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण

विराट कोहली को 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए न्योता मिला है। आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने मंगलवार को कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को मुंबई में उनके आवास पर निमंत्रण सौंपा। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली को 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए न्योता मिला है। आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने मंगलवार को कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को मुंबई में उनके आवास पर निमंत्रण सौंपा। विराट कोहली इन दिनों भारत और अफगानिस्तान टी20 सीरीज से टी20 में वापसी की है। पहले टी20 में विराट कोहली निजी कारणों से नहीं खेले थे, जिसके बाद दूसरे मैच में वह 25 रन बनाकर आउट हुए थे। 17 जनवरी को तीसरे टी20 से पहले विराट कोहली वापस मुंबई गए थे, जहां उन्हें ये निमंत्रण प्राप्त हुआ। बता दें कि, सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के बाद विराट कोहली राम मंदिर अभिषेक समारोह में आमंत्रित होने वाले लेटेस्ट क्रिकेटर बन गए हैं। 13 जनवरी को ही सचिन तेंदुलकर को मुंबई स्थित उनके आवास पर निमंत्रण मिला था। जबकि, 15 जनवरी को एमएस धोनी को आमंत्रित किया गया था। 22 जनवरी को राम मंदिर समारोह में कई क्षेत्रों की कई मशहूर हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

अचानक से ज्यादा थकान लग रहा है तो खाएं ये पांच चीजें, इंस्टेंट मिलेगी एनर्जी, तुरंत हो जाएंगे ठीक

हमारी व्यस्त जिंदगी में अकसर शारीरिक और मानसिक रूप से थकान महसूस होने लगती है. लंबे समय तक काम करने, कम नींद लेने या अनियमित खानपान की वजह से हमें कमजोरी और सुस्ती का अनुभव होता है. कुछ ऐसे सुपरफूड्स हैं जिनमें प्रोटीन, कार्ब्स, हेल्दी फैट, विटामिंस और मिनिरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. इनके खाने से ऊर्जा स्तर में तेजी से बढ़ोतरी होती है और आप फिर से एक्टिव हो जाते हैं. आइए जानते हैं ऐसे 5 सुपरफूड के बारे में जो तुरंत थकान को दूर कर दे. जैसे – ग्रीन टी, डार्क चॉकलेट, सूखे मेवे, बीज और अंडे खाने से शरीर को तुरंत एनर्जी मिल सकती है. ये सभी आहार प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं जो हमारी कमजोरी को दूर करने में मदद करते हैं. आइए जानते हैं कैसे? ग्रीन टी ग्रीन टी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कि पॉलीफेनोल शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं. ये ऑक्सीडेटिव क्षति से लड़ते हैं जो थकान का कारण बन सकता है. इसके अलावा ग्रीन टी में एमीनो एसिड, विटामिन क्च कॉम्पलेक्स और कैफीन जैसे तत्व भी पाए जाते हैं जो ऊर्जा स्तर को बढ़ाकर थकान और कमजोरी को दूर करने में मदद करते हैं. इसलिए नियमित रूप से ग्रीन टी पीने से थकान दूर होती है और मानसिक तनाव भी कम होता है. डार्क चॉकलेट डार्क चॉकलेट में कैफीन और थियोब्रोमाइन नामक दो रसायन होते हैं जो हमारी थकान दूर करने में मदद करते हैं. कैफीन हमारे शरीर को सक्रिय करता है और थियोब्रोमाइन दिमाग को तरोताजा करता है. इन दोनों के कारण डार्क चॉकलेट कुछ ही मिनटों में हमारी थकान को दूर कर देती है और हमें फ्रेश महसूस कराती है. सूखे मेवे सूखे मेवों में मैग्नीशियम, आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे मिनरल्स होते हैं जो शारीरिक और मानसिक थकान को कम करते हैं. इनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो सेल्स को डैमेज से बचाते हैं. साथ ही प्रोटीन और फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाकर ऊर्जा लेवल को बढ़ाने में मदद करते हैं. इसलिए सूखे मेवे खाने से थकान आसानी से दूर हो जाती है. अंडे अंडों में पाए जाने वाले प्रोटीन और हेल्दी फैट तत्व शरीर को ऊर्जा देते हैं. अंडों की जर्दी में भरपूर मात्रा में विटामिन क्च12 पाया जाता है जो एनर्जी मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी होता है. इसके अलावा, अंडों में आयरन, जिंक, सेलेनियम और अन्य खनिज पाए जाते हैं जो शारीरिक और मानसिक थकान को कम करने का काम करते हैं.इसलिए

कहीं आप भी तो गलत टाइम पर नहीं पी रहे चाय, जान लें परफेक्ट टाइम, वरना...

चाय हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है. कई लोगों की सुबह चाय से होती है तो कुछ लोग शाम को चाय पीना पसंद करते हैं. कुछ लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें दिनभर चाय पीना पसंद होता है. दूध और चीनी से बनी चाय की चुस्की से दिन की शुरुआत करीब 69 प्रतिशत भारतीय करते हैं. हालांकि, उन्हें चाय पीने का सही समय पता नहीं होता है. अगर आप भी चाय के शौकीन हैं तो चाय पीने का परफेक्ट टाइम (ञ्जदग्ड्ड क्कदग्ह्म् जान लेना चाहिए, ताकि किसी तरह के नुकसान से बच सकें. जानें चाय पीने का सबसे सही समय कौन सा है...कब नहीं पीनी चाहिए चाय हमारे देश में ज्यादातर लोग बध्ेड पर ही चाय पीना पसंद करते हैं. उन्हें सुबह उठने के साथ ही गरमा–गरम बेड टी चाहिए होती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह उठने बाद खाली पेट चाय पीना नुकसानदायक हो सकता है. इसकी वजह से एसिडिटी परेशान कर सकती है. इतना ही नहीं खाली पेट चाय पीने से ब्लड शुगर लेवल काफी ज्यादा बढ़ सकती है. कुछ लोग रात में भी चाय पीते हैं, ये भी गलत टाइम माना जाता है, क्योंकि इससे नींद में खलल पड़ सकती है.चाय पीने का सबसे सही टाइम अगर आपको चाय पीना पसंद है और चाय पीते हैं तो सुबह उठने के दो घंटे बाद या ब्रेकफास्ट करने के एक घंटे के बाद चाय पीने का सबसे सही समय होता है. चाय पीने से पहले कुछ न कुछ जरूर खाएं. इससे चाय का निगेटिव असर शरीर पर नहीं पड़ता है. सही तरीके और सही समय पर चाय पीने के फायदे भी हो सकते हैं. सुबह बेड टी पीने वालों को हेल्थ एक्सपर्ट्स अपनी इस आदत को बदलने की सलाह देते हैं. क्योंकि सुबह–सुबह चाय पीने से सेहत को नुकसान पहुंच सकता है.चाय पीने के क्या–क्या फायदे हैं एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर सोने से करीब 10 घंटे पहले चाय पिया जाए तो इससे अच्छी नींद आती है. चाय से शरीर के अंदर सूजन की समस्या कम होती है. चाय कॉर्टिसोल हार्मोन को भी कम करने में मदद करती है. इससे नेगेटिविटी और उदासी भी कम होती है. कबज्य और स्ट्रेस की समस्या भी चाय पीने से दूर हो सकती है. हालांकि, चाय की लत नहीं लगने देना चाहिए. ज्यादा चाय पीना हानिकारक हो सकता है. इससे एसिडिटी, डाइजेशन और नींद की समस्या हो सकती है.

फाइटर का ट्रेलर रिलीज, रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण के हवाई एक्शन ने उड़ाए होश

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की जोड़ी वाली फिल्म फाइटर को लेकर दर्शकों के बीच गजब का उत्साह है। फिल्म का इंतजार दर्शकों को इसलिए बेसब्री से है, क्योंकि पहली बार ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं।फिल्म के पोस्टरों से लेकर, टीजर और गानों तक में दोनों की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल चुकी है और अब फाइटर का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जिसकी राह दर्शक काफी समय से देख रहे थे।फिल्म का ट्रेलर बिल्कुल कड़क है। यह सांस रोक देने वाले एरियल एक्शन के साथ देशभक्ति के जज्बे से भरपूर है। ऋतिक के साथ–साथ इसमें दीपिका के हवाई स्टंट भी होश उड़ा देने वाले हैं।दोनों की जोड़ी भी जम रही है, वहीं वर्दी में न सिर्फ दीपिका और ऋतिक, बल्कि अनिल कपूर भी खूब जंच रहे हैं।इसके विजुअल्स बता रहे हैं कि सिद्धार्थ आनंद ने अपनी फिल्म के एक्शन को फिर नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

शाहरुख खान की फिल्म पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फाइटर में ऋतिक स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया उर्फ पैटी के रोल में हैं, जबकि दीपिका स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ उर्फ मिन्नी के किरदार में दिख रही हैं, वहीं अनिल फिल्म में एक कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह उर्फ रॉकी की दमदार भूमिका में दिख रहे हैं।यह फिल्म 25 जनवरी को सिनेमाघरों में आने वाली है।इंटरनेट मूवी डेटाबेस (आईएमडीबी) ने पिछले दिनों 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची जारी की थी।इस सूची में शीर्ष 20 फिल्मों को शामिल किया गया, लेकिन फिल्म फाइटर ने सबको पछाड़ दिया। यहां तक कि साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा का दूसरा भाग पुष्पारू द रूल भी पीछे

छूट गया। आईएमडीबी हर साल दुनियाभर के दर्शकों के बीच फिल्म की लोकप्रियता और पेज व्यूज के आधार पर अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची जारी करता है।ऋ तिक फिल्म वॉर 2 में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले हैं। यशराज बैनर के स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में ऋतिक के साथ साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। दोनों फिल्म में एक–दूसरे के आमने–सामने होंगे।उधर दीपिका निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगी। प्रभास के साथ उनकी पैन इंडिया फिल्म कल्कि 2898 एडी भी खूब सुर्खियों में है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन भी खास भूमिका निभाने वाले हैं।

बाक्स आफिस पर लाखों में सिमटी प्रभास की सालार की दैनिक कमाई

प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म सालाररू सीजफायर पार्ट– 1 ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज का यह चौथा सप्ताह चल रहा है और यह अपनी पकड़ बनाए हुए है।हालांकि, पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है।शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही सालार की कमाई अब लाखों में सिमट गई है।शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, सालार ने अपनी रिलीज के 24वें दिन (चौथे सोमवार) 55 लाख रुपये का कारोबार किया।इसी के साथ अब फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 404.45 करोड़ रुपये हो गया है।सालार का दुनियाभर में भी खूब डंका बज रहा है। महज 24 दिनों में यह फिल्म 705.59 करोड़ रुपये से अधिक कमा चुकी है।बॉक्स ऑफिस पर सालार का सामना डंकी, मेरी क्रिसमस, गुंटूर कारम और हनु मान से हो रहा है।सिनेमाघरों के बाद सालार ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। इस खबर की जानकारी खुद निर्माताओं ने दी है।फिल्म की रिलीज तारीख अभी सामने नहीं आई है। कहा

जा रहा है सालार का प्रीमियर अगले साल फरवरी की शुरुआत तक किया जा सकता है।इसके अलावा निर्माताओं ने सालार के अंत में फिल्म की दूसरी किस्त सालाररू पार्ट 2– शौर्यांग पर्वम का ऐलान कर दिया है।सालार 2 की स्क्रिप्ट तैयार है और फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की इंडियन पुलिस फोर्स का पहला गाना जारी, विशाल मिश्रा ने दी आवाज

भारतीय सिनेमा के जाने–माने निर्देशक रोहित शेट्टी बड़े पर्दे पर अपनी फिल्मों के जरिए धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी पर अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स लेकर आने वाले हैं।इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और ईशा तलवार मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं।अब निर्माताओं ने सिद्धार्थ के 39वें जन्मदिन पर इंडियन पुलिस फोर्स का पहला गाना बैरिया रे जारी कर दिया है, जिसमें सिद्धार्थ पहली बार ईशा संग इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। इंडियन पुलिस फोर्स के इस गाने को विशाल मिश्रा ने आवाज दी है। इस गाने के बोल सिद्धेश पटोले ने लिखे हैं।निर्माताओं ने गाना साझा करते हुए लिखा, प्रेम की धुन में अपने आप को खो दो। सीरीज में सिद्धार्थ एक पुलिसवाले का किरदार निभा रहे हैं, जिसमें उनका जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा।इसका प्रीमियर 19 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। विवेक ओबेरॉय और शरद केलकर भी इस सीरीज का हिस्सा हैं।

बाक्स आफिस पर शाहरुख खान की डंकी का खेल खत्म, जानिए अब तक का कारोबार

शाहरुख खान के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा। 4 साल बाद पर्दे पर वापसी करने वाले अभिनेता ने लगातार 3 हिट फिल्में दीं।पठान और जवान ने बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई की और कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए।इसके बाद किंग खान की तीसरी फिल्म डंकी भी लोगों का दिल जीतने में कामयाब रही।यह फिल्म पिछले 4 सप्ताह से बॉक्स ऑफिस पर है। हालांकि, अब डंकी का खेल खत्म हो चुका है।अब डंकी के कमाई के 26वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं। फिल्म की कमाई अब लाखों में सिमट गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने चौथे सोमवार 50 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 224.82 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म का 250 करोड़ रुपये तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल है।दुनियाभर में डंकी ने 460.70 करोड़ रुपये की कमाई की है। डंकी में शाहरुख पहली बार अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं और दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है।विक्की कौशल और बोमन ईरानी भी फिल्म का हिस्सा हैं।इसका निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया है। यह शाहरुख और हिरानी के बीच पहला सहयोग है।खबर है कि शाहरुख की डंकी सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद जियो सिनेमा पर दस्तक देगी और इसका प्रीमियर फरवरी की शुरुआत तक किया जाएगा।

मैं अक्सर लोगों की सलाह को नजरअंदाज कर वही करती हूं, जो मेरा दिल करता है अदिति सहगल

भारतीय म्यूजिशियन और एक्ट्रेस अदिति सहगल, जिन्हें डॉट के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने साझा किया है कि कैसे सोशल मीडिया हमेशा उनके प्रति दयालु रहा है, उन्होंने खुद को एक ऐसा कलाकार बताया है जो अक्सर सलाह को नजरअंदाज कर देती है। जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज में अपनी एक्टिंग के साथ–साथ म्यूजिक टैलेंट से प्रसिद्धि पाने वाली डॉट, साल की एक सफल कलाकार के रूप में उभरी हैं। वह अपने सभी गानों के बोल बनाती, गाती और लिखती हैं। डॉट अपने आर्चीज गानों से भी इंडियन म्यूजिक चार्ट में टॉप पर रही हैं। उन्होंने खुशी कपूर पर फिल्माए गए सभी चार डियर डायरी थीम्स को लिखा और गाया है। डॉट ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं काफी भाग्यशाली हूं कि सोशल मीडिया हमेशा मेरे प्रति दयालु रहा है। शुरुआत से ही मुझे अपने म्यूजिक के लिए लोगों से जिस तरह का प्यार मिला है, वह दिल को छू लेने वाला है। द आर्चीज के बाद से, मेरा टैलेंट निश्चित रूप से उभरा है। चाहे वह म्यूजिक हो, ज्यादा फिल्में हों, या कोई अन्य प्रोजेक्ट हो, यह जरुरी है कि साथ चलने वाले लोगों के प्रति आभारी रहें। मैं उस तरह की कलाकार हूं जो अक्सर सलाह को नजरअंदाज कर देती हूं और जो मन करता है, वही करती हूं। डॉट ने हाल ही में गर्ल्स नाइट नाम से एक नया सिंगल रिलीज किया है जो म्यूजिक लवर्स के बीच वायरल हो रहा है। इंटरनेट पर अपनी बढ़ती लोकप्रियता के बारे में आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, फिर से, मैं काफी भाग्यशाली हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोग मेरा म्यूजिक सुनना चाहते हैं। इसलिए

मुझे लगता है कि अब इंटरनेट का मेरा छोटा कोना, इतना छोटा नहीं रह गया है। मेरे मन में उन लोगों के लिए हमेशा एक खास स्थान रहेगा जो मेरे काम से जुड़े हैं।

मलाइका अरोड़ा ने फिर गिराईं हुस्न की बिजलियां, बेहद खूबसूरत नजर आईं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं. सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की तगड़ी फैन फॉलोइंग है. मलाइका अब तक बॉलीवुड की कई फिल्मों में आइटम सॉन्ग कर चुकी हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं...अर्जुन कपूर से ब्रेकअप और पैचअप के बीच मलाइका अरोड़ा की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. एक्ट्रेस हमेशा अपने लुक से फैंस को अपना दीवाना बना ही लेती हैं. बेहद शॉर्ट ड्रेस में मलाइका अरोड़ा बेहद बोल्ड और खूबसूरत नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में मलाइका अरोड़ा को देखकर कोई नहीं कह पाएगा कि उनकी उम्र

50 साल है. एक्ट्रेस मइस उम्र में भी काफी फिट और फाइन हैं. 50 साल की उम्र में भी एक्ट्रेस का फिगर बिल्कुल स्लिम है. मलाइका अरोड़ा ने मल्टीकलर की ड्रेस पहनी है जोकि काफी शॉर्ट है और हाई हील पहनकर कैमरे के सामने देखकर एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं. यूजर्स उनके इस पोस्ट पर कमेंट कर एक्ट्रेस की खूबसूरती और फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा– इनका कोई जवाब नहीं, इस उम्र में ऐसी फिटनेस. एक और यूजर ने पोस्ट पर कमेंट कर लिखा– बोल्ड एंड ब्यूटीफुल. बता दें कि एक्ट्रेस अपने बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप को लेकर काफी चर्चाओं में रहती हैं.

संजिदा शेख ने फ्लान्ट किया अपना फिगर, बालेस लुक ने मचाया तहलका

सिनेमा की दुनिया से कई बड़ी खबरें सामने आई हैं। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित रणबीर कपूर और बॉबी देओल की फिल्म एनिमल बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही। यह 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में पहुंची और कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। सिनेमा

की दुनिया से कई बड़ी खबरें सामने आई हैं। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित रणबीर कपूर और बॉबी देओल की फिल्म एनिमल बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही। यह 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में पहुंची और कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। अब फैंस इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनिमल के नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने की उम्मीद है। मृणाल ठाकुर ने बिग बॉस 17 सीजन की अपनी पसंदीदा प्रतियोगी और एक बार फिर अंकिता को बधाई दी है। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अंकिता की तस्वीर और उसके साथ एक विशेष संदेश के साथ एक स्टोरी साझा की। उन्होंने लिखा श्श्मेरी लड़की सबसे मजबूत। उन्होंने लिखा, श्श्आपको ताकत और प्यार भेज रही हूं।

हुमा कुरेशी की महारानी 3 का टीजर आया सामने, उम्दा अदाकारी ने फिर जीता दिल

साल 2021 में आई वेब सीरीज महारानी को काफी पसंद किया गया था। इसमें हुमा कुरेशी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। सीरीज में उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हुई।महारानी की अपार सफलता के बाद 2022 में इसका दूसरा भाग आया है।अब महारानी का तीसरा सीजन दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट रहा है।इस बीच महारानी 3 का दमदार टीजर सामने आ चुका है। उनकी उम्दा अदाकारी ने फिर से दर्शकों का दिल जीत लिया है। महारानीबहुत जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर दस्तक देने वाली है। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, परीक्षा की तैयारी है जारी। फिर आ रही है महारानी।इसमें सोहम शाह, अमित सियाल, कानि कुश्रुति, अनुजा साठे और इनामुलहाक भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।सुभाष कपूर द्वारा निर्मित महारानी में हुमा को रानी भारती के किरदार में दिखाई दीं, जो एक गांव की महिला से बिहार की मुख्यमंत्री बनती है।

सूर्या और दिशा पाटनी की कंगुवा का नया पोस्टर जारी, दिखा धांसू अवतार

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने–माने अभिनेता सूर्या पिछले लंबे वक्त से अपनी आने वाली फिल्म कंगुवा को लेकर चर्चा में हैं।यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी तमिल सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं।इसमें बॉबी देओल भी अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे।इस बीच अब निर्माताओं ने कंगुवा का नया पोस्टर सामने आ चुका है, जिसमें सूर्या का धांसू अवतार देखने को मिल रहा है। फिल्म में सूर्या कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आएंगे,

जिसकी झलक सामने आए पोस्टर में साफ दिख रही है।निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, समय से भी मजबूत नियति। भूत, वर्तमान और भविष्य। सब एक ही नाम की प्रतिध्वनि करते हैं कंगुवा।फिलहाल इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।कंगुवा को 38 भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा, जब कोई तमिल फिल्म 38 भाषाओं में दर्शकों के बीच आएगी।

विद्या बालन और प्रतिक गांधी ने शेयर की एक जैसी पोस्ट

विद्या बालन और प्रतीक गांधी ने अपने–अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया, जो एक गणितीय समीकरण प्रतीत होता है, जिसमें दो और दो का योग एक दिल के बराबर होता है। इसकी जांच – पड़ताल करें। मैरी क्रिसमस में कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की अनोखी जोड़ी देखने के बाद बॉलीवुड विद्या बालन और प्रतीक गांधी के साथ एक और फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार है। विद्या और प्रतीक दोनों ने मंगलवार को अपने–अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक गुप्त

पोस्ट साझा किया, जो एक गणितीय समीकरण प्रतीत होता है, जिसमें दो और दो का योग एक दिल के बराबर होता है। दोनों कलाकारों ने इसे एक ही कैप्शन का इस्तेमाल किया, जिसमें लिखा है, दो और दो मिलेंगे। प्यार के राज खुलेंगे! कल सुबह 11 बजे का इंतजार करो।श्श प्रत्याशा स्पष्ट है क्योंकि प्रशंसक 17 जनवरी को संभावित घोषणा के बारे में अनुमान लगा रहे हैं। जैसे ही उनकी पोस्ट ऑनलाइन ट्रेंड करने लगी, नेटिजन्स ने इस पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, श्विद्या बालन के साथ नई फिल्म।श्श दूसरे ने लिखा, श्श्या यह प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और अमेरिका की नई अभिनेत्री के साथ वह फिल्म है प्रतीक, विद्या के अन्य प्रोजेक्ट वर्कफ्रंट की बात करें तो विद्या आखिरी बार राम कपूर के साथ नियत में नजर आई थीं। वह अगली बार शीर्षक गुप्त ठाकुरता द्वारा निर्देशित फिल्म लवर्स में नजर आएंगी।

सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर 15021/15022 गोरखपुर शालीमार एक्सप्रेस का हुआ ठहराव

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले के सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर सांसद रविन्दर कुशवाहा और राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने हरी झंडी दिखाकर 15021/15022 गोरखपुर–शालीमार– गोरखपुर शालीमार एक्सप्रेस का ठहराव कराया। सांसद रविन्दर कुशवाहा ने कहा कि सलेमपुर के जनता की माँग एवं यात्रियों की सुविधा हेतु सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर गाड़ी सं० 15021/15022 का ठहराव कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 15021/15022 गोरखपुर–शालीमार– गोरखपुर शालीमार एक्सप्रेस एवं गाड़ी सं०11038/11037 गोरखपुर –पुणे–गोरखपुर पुणे एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर नहीं होने से सलेमपुर समेत आस–पास के जिले के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस कारण इन ट्रेनों का ठहराव सलेमपुर स्टेशन पर दिया जाना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से प्रयास रहता है कि आम जनता को अधिकांश सुविधा मिल सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा के हाथों में आज हमारा राष्ट्र सुरक्षित एवं संरक्षित ही नहीं है, बल्कि विकास के नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रहा है। राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे का वाराणसी मंडल यात्री प्रधान मंडल है जो अपने यात्रियों को उन्नत सुख सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु लगातार प्रयासरत है। इसके लिए सलेमपुर रेलवे

पर विभिन्न विकास कार्य कराए गये हैं। भाजपा सरकार रेल,सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य कर रही है।मीडिया प्रभारी अजय दूबे वत्स ने बताया कि सलेमपुर स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव से सलेमपुर की क्षेत्रीय जनता को ट्रेन पकड़ने के लिए अन्य दूरस्थ स्टेशनों पर जाना पड़ता था। अब यात्रियों के लिए मंजिल आसान हो गयी। उक्त अवसर पर अशोक पाण्डेय, जयनाथ कुशवाहा गुड्डन, बलवीर सिंह दादा,कन्हैया लाल जायसवाल,बृजेश उपाध्याय,त्रिपुणायक विश्वकर्मा,अमरदत्त यादव,अजय दूबे वत्स,अशोक तिवारी,विनय पाण्डेय,अनुप उपाध्याय, सत्यप्रकाश सिंह, अशोक कुशवाहा,भोला बाबा आदि मौजूद रहे।

अवैध शराब के विरुद्ध अभियान के तहत चोरी की कार सहित दो गिरफ्तार

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे मिली जानकारी अनुसार पुलिस अधीक्षक देवरिया संकल्प शर्मा के द्वारा शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बनकटा पुलिस के द्वारा मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए,दो युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों युवक के विरुद्ध मुकामी पुलिस द्वारा समुचित अपराध सुसंगत धाराओं में दर्ज कर विधिक कार्यवाही की गई है ।सूचना के मुताबिक थाना प्रभारी बनकटा अमित राय के कुशल निर्देशन में बुधवार

17.01.2024 को जनपद देवरिया थाना बनकटा पुलिस के द्वारा 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से चोरी के वाहन से कुल 30 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद किया

गया है, यह कार्यवाही 17.01.2024 को थाना बनकटा पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम सुन्दरपार के पास से एक चार पहिया वाहन ब्रेजा ठ01म्थ3907 (गलत नंबर) से 02 अभियुक्तों में प्रशान्त कुमार शाह पुत्र जय किशोर शाह निवासी पिपरहिया अरुवा थाना भगवानपुर हाट जनपद सिवान (बिहार) तथा एहसान अली पुत्र अलाउद्दीन निवासी ग्राम लौंवा थाना तरैया जिला सारण छपरा (बिहार) को गिरफ्तार किया गया। जिससे कुल 30 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गयी। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों से वाहन सम्बन्धित कागजात मांगे जाने पर उनके द्वारा बताया गया कि उक्त वाहन को 02 माह पूर्व गोरखपुर के रायगंज बाजार से चोरी किया गया था, जिसकी जांच से उक्त ब्रेजा वाहन की चोरी के सम्बन्ध में थाना खोराबार पर मु0अ0सं0–724ध2023 धारा–379 भादंसं का अभियोग पंजीकृत होना पाया गया। पुलिस टीम द्वारा बरामद शराब एवं चोरी की ब्रेजा वाहन को कब्जे में लेते हुए अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्यवाही की गई है।

राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे प्रधानमंत्री मोदी – रमापति राम

सांसद ने लाभार्थियों से किया संवाद

ब्यूरोदेवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे रामपुर कारखाना क्षेत्र के कोन्हवलिया और सिरवनिया में विकसित भारत संकल्प यात्रा का रथ पहुंचने पर क्षेत्र की जनता द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवरिया के सांसद डा रमापति राम त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपस्थित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं से लाभान्वित हो रहे लोगों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत आम लोगो को मिले इसीलिए गांव गांव संकल्प यात्रा अभियान चलाया जा रहा है इसके माध्यम से वंचित लोग भी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें यही

हमारा प्रयास है । भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभर रहा है आज दुनिया के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान बढ़ा है विश्व के लोग अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की राय लेते हैं ये विकसित राष्ट्र की तरफ भारत का महत्वपूर्ण कदम है तथा विश्व पटल पर भारत की संस्कृति और सभ्यता का अनुकरण किया जा रहा है ये हमारे लिए बड़े गर्व की बात है । भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसमे छोटे से छोटे कार्यकर्ता को भी उचित सम्मान मिलता है । उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 14 जनवरी से 21 जनवरी तक पार्टी प्रत्येक मंदिरों में स्वच्छता अभियान चला रही है तथा आने वाले 22 जनवरी को प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सभी लोग अपने अपने घरों में दीपक जला कर दीपावली एवम भजन कीर्तन का भी आयोजन करेंगे । यह ऐतिहासिक पल है जब 500 सालों की प्रतीक्षा के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो रहा है,

इसको लेकर सम्पूर्ण विश्व में हर्ष और उल्लास का वातावरण व्याप्त है । इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सत्यप्रकाश पाण्डे, डा राधेश्याम शुक्ला, प्रमोद सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता और सम्मानित जनता उपस्थित रही ।

खुले में मांस का विक्रय करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर की गई प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे 17 जनवरी को जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह द्वारा दिए गए आदेशों के अनुपालन में जनपद

में स्टेशन रोड एवं शहर के अन्य क्षेत्रों में सड़क पर खुले में मांस का विक्रय करने वालों के विरुद्ध आज नगर पालिका परिषद देवरिया तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन जनपद देवरिया के संयुक्त टीम द्वारा प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए खुले में मीट, मांस बेचने वालों के अस्थाई निर्माण को ध्वस्त किया गया तथा उनके जाली तथा अन्य सामानों को नगर पालिका टीम द्वारा जप्त कर लिया गया तथा स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि खुले में किसी भी प्रकार से मछली एवं मांस का प्रदर्शन एवं विक्रय कदापि न किया जाए। जिनकी पक्की दुकानें हैं वह काले शीशे के अंदर ही स्वस्थ एवं सुरक्षित तरीके से उसका विक्रय करें ताकी जन सामान्य एवं गुजरने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।उपरोक्त टीम ने स्टेशन रोड स्थित लगभग 14 दुकानों का निरीक्षण करते हुए लगभग 7 दुकानों के अस्थाई निर्माण अतिक्रमण मुक्त किया गया, अभियान को देखते हुए बहुत से विक्रेता अपनी दुकान को बंद कर मौके से चले गए, तथा भटवलिया चौराहा पर खुले में मुर्गा का विक्रय करने वाले 3 विक्रेताओं को भी उनके सामानों सहित उनके दुकान परिसर में स्थानांतरित कराया गया। संयुक्त अभियान में सहायक आयुक्त खाद्य विनय कुमार सहाय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवेंद्र गुप्ता खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम वर्मा , खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीराम यादव नगर पालिका परिषद के सफाई निरीक्षक संजय सिंह एवं राजप्रताप शुक्ला, कर संग्राहक तथा उनके सफाई नायक एवं सफाई कर्मी उपस्थित रहे

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कार्यक्रम में हुआ बदलाव, 18 जनवरी को आएंगे मेरठ

संवाददाता।

मेरठ, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 18 जनवरी को मेरठ आएंगे। वह दोपहर 12 बजे दिल्ली रोड स्थित सरस्वती लोक कॉलोनी में श्री जागेश्वर धाम मंदिर के पंचांग पूजन में शामिल होंगे। एक घंटे कार्यक्रम में रहने के बाद वह 1 बजकर 5 मिनट पर लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में पार्टी पदाधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे।दो बजे कार द्वारा गाजियाबाद में आयोजित कार्यक्रम के लिए रवाना हो जाएंगे। मंगलवार को प्रशासन के पास उनका अधिकारिक कार्यक्रम आ गया है।श्री सरस्वती प्रेम स्मृति ट्रस्ट के महासचिव वरुण अग्रवाल ने बताया कि 15 जनवरी से 22 जनवरी तक आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शारदापीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य राजराजेश्वराश्रम महाराज अभ्यागत मुख्य यजमान होंगे। श्री कैलाश तीर्थ आश्रम के संस्थापक कनक प्रभानंद सरस्वती जी महाराज के सानिध्य में होने वाले समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और स्वतंत्र देव सिंह को भी आमंत्रित किया गया है। इनके अलावा 22 जनवरी को भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल एवं प्रदेश के कई मंत्री और जनप्रतिनिधि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। मुख्य यजमान कैंट विधायक अमित अग्रवाल और उनकी पत्नी मधु अग्रवाल रहेंगी।

उत्तर प्रदेश की पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए जमीन अधिग्रहण अगले माह से

संवाददाता।

मेरठ एक लाख 85 हजार लोगों को आशियाना उपलब्ध कराने की दिशा में मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। मेडा ने अपनी नई प्रदेश की पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए जमीन खरीद की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए चार गांवों की जमीन चिह्नित कर ली गई है। जमीन अधिग्रहण के लिए खर्च होने वाली राशि का आकलन कर रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। किसानों से आपसी सहमति के आधार पर फरवरी से जमीन खरीद शुरू होगी।छज्जूपुर, इकला, कायस्थ गांवड़ी व मोहिउद्दीनपुर के चार गांव की 294.6813 हेक्टेयर भूमि में नई इंटीग्रेटेड टाउनशिप का निर्माण होना है। पहले फेज में छज्जूपुर में 30.09 हेक्टेयर और मोहिउद्दीनपुर में 111.79 हेक्टेयर जमीन लेने का काम होगा। दोनों गांव की कुल 141 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण पर 1007.34 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके दायरे में 750 किसानों की जमीन आएगी।मेडा अफसरों का कहना है कि योजना के लिए चयनित चारों गांव की भूमि नगर की सीमा से बाहर है। शासन की गाइडलाइन के अनुसार, नगर की सीमा के अंतर्गत अकृषक भूमि के लिए सर्किल दरों का दो गुना और नगर सीमा के बाहर अकृषक भूमि के लिए सर्किल दर का चार गुना देय है। ऐसे में प्राधिकरण किसानों से सहमति के आधार पर भूमि खरीद करेगा।मेडा उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि अधिग्रहण में प्रकाशन के दिनांक से अवार्ड घोषित होने तक की अवधि का 12 फीसदी ब्याज की धनराशि जमा करनी पड़ेगी और 10 प्रतिशत अर्जन व्यय प्राधिकरण को देना होगा। आपसी सहमति से भूमि क्रय करने पर सात प्रतिशत स्टाम्प व एक प्रतिशत निबंधन शुल्क ही देना होगा। ऐसे में आपसी सहमति से ही जमीन ली जाएगी। जमीन लेने की प्रक्रिया फरवरी से शुरू करने की तैयारी है।किसान कर रहे विकसित प्लॉट लेने की मांग मेडा अफसरों का कहना है कि किसानों से कई दौर में वार्ता हो चुकी है। मेडा आपसी सहमति से जमीन लेने के लिए शिविर भी लगा चुका है। किसान उत्ससाहित हैं और जमीन देने को तैयार हैं। हालांकि कुछ किसान चार गुना मुआवजे की मांग भी कर रहे हैं, जबकि कुछ परियोजना में विकसित भूखंड भी चाहते हैं। ऐसे में आपसी समन्वय स्थापित कर इंटीग्रेटेड टाउनशिप को गति द ी जाएगी।परतापुर–मोहिउद्दीनपुर के बीच 142 हेक्टेयर में प्रदेश की पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए शासन 503 करोड़ रुपये की मंजूरी दे चुका है। 200 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। न्यू टाउनशिप में रिहाइश के साथ–साथ व्यावसायिक, औद्योगिक, शैक्षिक गतिविधियां भी होंगी। ऐसे में यहां एक लाख 85 हजार लोग रह सकेंगे और ढाई लाख लोग काम भी करेंगे।

पूर्व मंत्री हाजी याकूब की बंद पड़ी फैक्टरी में सुरक्षा गार्ड को बंधक बनाकर डेढ़ करोड़ की डकैती

संवाददाता।

मेरठ । हापुड़ रोड पर पूर्व मंत्री हाजी याकूब कुरैशी की बंद पड़ी मीट फैक्टरी में सोमवार रात छह बदमाशों ने हथियारों के बल पर गार्ड को बंधक बनाकर करीब डेढ़ करोड़ की डकैती को अंजाम दिया। सुबह किसी तरह बंधनमुक्त होकर सुरक्षा गार्ड ने याकूब परिवार को घटना की जानकारी दी। अवैध संचालन मामले में पिछले 22 माह से हापुड़ रोड पर अल फहम मेटैक्स प्राइवेट लिमिटेड मीट फैक्टरी बंद पड़ी है। यहां निजी सुरक्षा गार्ड तैनात हैं। सोमवार रात फैक्टरी में गार्ड जफर पुत्र जमालुद्दीन निवासी जिला पुंछ तहसील सुरानकोट जम्मू कश्मीर था। सुरक्षा गार्ड की ओर से लोहियानगर थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रात करीब 10 बजे फैक्टरी में गश्त करते समय वह अपने कमरे में सोने चला गया। देर रात करीब एक बजे इलेक्ट्रॉनिक पैनल की ओर से कुछ आवाज आने पर उसकी आंख खुल गई। जफर ने मौके पर जाकर देखा तो वहां करीब छह बदमाश विद्युत मोटर, इलेक्ट्रॉनिक पैनल के पार्ट्स, कंप्रेशर व बिजली के तार आदि सामान मशीनों से निकाल रहे थे। गार्ड ने उन्हें टोका तो बदमाशों ने हथियारों के बल पर उसे बंधक बना लिया। हाथ–पैर बांधकर उसे एक कोने में बैठाया। इसके बाद बदमाश करीब डेढ़ करोड़ का सामान गाड़ी मे लेकर फरार हो गए। सुबह दिन निकलने पर किसी तरह बंधन मुक्त होकर उसने घटना की जानकारी घर पहुंचकर याकूब परिवार को दी। फैक्टरी मालिक कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और लूटे गए सामान की जानकारी ली। याकूब के पुत्र इमरान याकूब ने बताया कि बदमाश करीब डेढ़ करोड़ कीमत का सामान ले गए हैं। गार्ड की ओर से लोहियानगर थाने में तहरीर दी है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच कराकर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। पहले भी बदमाशों के निशाने पर रही है फैक्टरी सील लगने के बाद भी फैक्टरी का संचालन किया जा रहा था। इसके चलते प्रशासन ने वहां पुलिस पिकेट तैनात कर दी थी। इसके बावजूद फैक्टरी में चोरी की कई बड़ी वारदात हो गई थी। पुलिस की किरकिरी होने पर पिकेट वहां से हटा ली गई थी। अब वहां कंपनी की ओर से निजी सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं। इसके बाद भी चोरी की घटनाएं लगातार होती आ रही हैं। 22 माह पहले हुई थी फैक्टरी पर कार्रवाई एक अप्रैल 2022 को पूर्व मंत्री हाजी याकूब कुरैशी की मीट फैक्टरी अवैध रूप से संचालन पर कार्रवाई की गई थी। इसमें हाजी याकूब, उसकी पत्नी पर दोनों बेटों सहित 17 लोगों को नामजद किया गया था। बाद में पुलिस कार्रवाई में हाजी याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी दोनों बेटों सहित सात लोगों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की गई थी। फिलहाल हाजी याकूब सहित सभी लोग जमानत पर हैं।

रात को मार रहा पारा डुबकी

मोदीपुरम शहरवासी कड़ाके की ठंड अभी 20 जनवरी तक झेलते रहेंगे। अभी फिलहाल राहत के आसार नहीं दिख रहे हैं। दिन–रात का तापमान सामान्य से नीचे होने से मौसम सर्द बना हुआ है। सुबह के समय कोहरा भी वाहनों की रफ्तार कम कर रहा है। मंगलवार का दिन भी कड़ाके की ठंड में गुजरा है। सुबह से लेकर शाम तक मौसम सर्द बना हुआ था और ठंड का इसर इतना था कि दिन में भी हाड़ कांप रहे थे। हाड़ कंपा रही ठंड से अभी राहत के आसार नहीं दिख रहे हैं। दिन–रात का तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है। जनवरी माह में ठंड पिछले भी रिकार्ड तोड़ रही है। रिकार्ड तोड़ रही ठंड अभी आगे भी जारी रहेगी। मौसम कार्यालय पर दिन का अधिकतम तापमान 12.0 डिग्री व न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम आर्द्रता 100 और न्यूनतम 85 दर्ज की गई। सुबह से लेकर शाम तक पड़ने वाली ठंड का असर रात में भी तेजी से दिखाई दे रहा है, रात का तापमान भी पिछले छह दिन से 5 डिग्री से नीचे चल रहा है। जिस कारण से रात भी सर्द हो रही है। कोहरा है सबसे खतरनाक कृषि विवि के संयुक्त निदेशक प्रसार डा. सतेंद्र खारी का कहना है कि कोहरा सबसे ज्यादा खतरनाक है। कोहरे के चलते जहां जनजीवन प्रभावित होता है। वहीं, फसलों के लिए भी कोहरा सहीं नहीं है। इस समय आलू की फसल के लिए धूप का निकलना बहुत जरूरी है, लेकिन बहुत कम धूप के निलकने से बीमारी तेजी से बढ़ती है।

सिंचाई विभाग की एनओसी बना दी फर्जी

संवाददाता। मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) से कॉलोनी का मानचित्र स्वीकृत कराने के लिए एक बिल्डर ने सिंचाई विभाग की एनओसी भी फर्जी लगा दी। मानचित्र स्वीकृत किया जा रहा था, मगर पत्र की जो लेखनी थी, उसको पढकर प्राधिकरण उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय को शक हुआ, जिसके बाद फिर से सिंचाई विभाग को एक पत्र लिखा गया। इसके बाद फिर से एनओसी प्राधिकरण में पहुंची, जो एकदम विपरीत थी। इसके बाद ही पता चला कि एनओसी में भी फर्जीवाड़ा किया गया हैं। ये मामला था एनएच–58 पर स्थित कृष्णा वर्ल्ड कॉलोनी का। इसके बाद ही प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने इसका मानचित्र तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है तथा सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता लखनऊ को एनओसी के लिए पत्र भेजा गया हैं, जिसके चलते इस कॉलोनी का मानचित्र फिलहाल लटक गया हैं।

दरअसल, संस्कृति विवाह मंडप से सटकर कृष्णा वर्ल्ड कॉलोनी विकसित की जा रही हैं। फिलहाल इसका कोई मानचित्र स्वीकृत नहीं हैं। बिना मानचित्र स्वीकृत कराये ही इसमें ज्यादातर प्लाट बिल्डर ने बेच दिये हैं। प्राधिकरण इस कॉलोनी पर बुलडोजर की कार्रवाई नहीं करें, इसके लिए मानचित्र प्राधिकरण ऑफिस में लगा दिया गया। एनओसी भी फर्जी तरीके से प्राधिकरण ऑफिस भेज दी गई थी।

कृष्णा वर्ल्ड कॉलोनी ऐसी है, जिसमें जाने के लिए कोई रास्ता नहीं हैं। इस जमीन के आगे से सिंचाई विभाग का रजवाहा गुजर रहा हैं। इस रजवाहे पर पुल (लोहे का) बिल्डर ने अवैध तरीके से बनाकर आवागमन शुरू कर रखा हैं। इसकी कोई अनुमति सिंचाई विभाग से नहीं ली गई। मेरठ विकास प्राधिकरण के इंजीनियरों ने मानचित्र आने के बाद सिंचाई विभाग से एनओसी मांगी थी।

एनओसी तो प्राधिकरण में पहुंची, लेकिन वो फर्जी थी। इसको लेकर सवाल उठे तो पूरा प्रकरण प्राधिकरण उपाध्यक्ष के पास पहुंचा। शक होने पर फिर से एक पत्र सिंचाई विभाग के एक्सईएन को लिखा गया, जहां से फिर एक पत्र आया। पहले मिली एनओसी और दूबारा आये पत्र आपस में मेल नहीं खाते। इसी शक के आधार पर प्राधिकरण ने इसका मानचित्र स्वीकृत करने की बजाय रोक लगा दी। अभी ये प्रकरण मुख्य अभियंता सिंचाई विभाग लखनऊ को भेज दिया गया हैं।

इसकी एनओसी अब लखनऊ से आएगी, जिसके बाद ही मेरठ विकास प्राधिकरण ये तय करेगा कि इसका मानचित्र स्वीकृत किया जाना है या फिर नहीं। फिलहाल जिस तरह से पूरा मामला लखनऊ पहुंच गया हैं, ऐसे में कृष्णा वर्ल्ड का मानचित्र लटक गया हैं। अब स्वीकृत होगा, ऐसा संभव नहीं दिख रहा हैं। क्योंकि कृष्णा वर्ल्ड के पास इसके अलावा कॉलोनी में जाने के लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं हैं। इसलिए भी बिल्डर इसमें फस गया हैं। प्राधिकरण उपाध्यक्ष इस एनओसी की जांच करा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद इसमें बड़ी कार्रवाई की जा सकती हैं।

नहीं चला बुलडोजर

कृष्णा वर्ल्ड का जब मानचित्र स्वीकृत नहीं है तो फिर पिछले दो वर्ष से इस पर कोई बुलडोजर मेडा के इंजीनियर क्यों नहीं चला रहे हैं? तमाम कॉलोनियों पर तीन–तीन बार बुलडोजर चलाये जा चुके हैं, लेकिन इस पर एक बार फिर बुलडोजर

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।